हिन्दी विभाग ,गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केन्द्रीय -विश्वविद्यालय)बिलासपुर ,छत्तीसगढ़

पाठ्यक्रम प्रस्तावना:

एकीकृत पंचवर्षीय स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

एकीकृत पंचवर्षीय स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के अन्तर्गत हिन्दी भाषा एवं साहित्य के पाठ्यक्रम को अंतर्विषयक दृष्टि से विस्तारपरक बनाने, गुणवत्ता की दृष्टि से उच्च स्तरीय स्वरूप निर्मित करने एवं आधुनिक संदर्भ में विषय को रोजगारोन्मुख बनाने के उद्देष्य से सत्र 2013–14 (एवं क्रमषः) के लिए संषोधित पाठ्यक्रम प्रस्तावित है।

प्रस्तावित स्नातक/स्नातकोत्तर स्तरीय एकीकृत पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देष्य आधुनिक तकनीकी षिक्षण के महत्व को दृष्टिगत रखते हुए विद्यार्थियों के कौषल को बढ़ावा देना है, जिससे उनके भीतर रचनात्मकता का विकास किया जा सके तथा समकालीन संदर्भो में ज्ञान एवं तकनीक के समन्वित प्रयोगों के माध्यम से विषय के अंतर्विषयक एवं अनुषासनात्मक स्वरूप द्वारा अंतर्निहित विषिष्टताओं को उभारा जा सके

प्रस्तावित पाठ्यक्रम की परीक्षा–योजना सेमेस्टर प्रणाली के अन्तर्गत इस प्रकार होगी–

बी.ए. (ऑनर्स)	प्रथम सेमेस्टर	– जुलाई 2013 – दिसम्बर 2013
	द्वितीय सेमेस्टर	– जनवरी 2014 – मई 2014
	तृतीय सेमेस्टर	– जुलाई 2014 – दिसम्बर 2014
	चतुर्थ सेमेस्टर	– जनवरी 2015 – मई 2015
	पंचम सेमेस्टर	– जुलाई 2015 – दिसम्बर 2015
	षष्ठ सेमेस्टर	– जनवरी 2016 – मई 2016

(एवं क्रमषः)

प्रस्तावित पाठ्यक्रम के अन्तर्गत बी.ए. (ऑनर्स) हिन्दी पाठ्यक्रम में कुल सोलह (16) प्रष्नपत्र निर्धारित किए गए हैं, इस क्रम में बी. ए. (ऑनर्स) षष्ठ सेमेस्टर के अन्तर्गत विद्यार्थियों को ज्ञान के अन्तर अनुषासनात्मक दृष्टिकोण से परिचित कराने एवं कैरियर व रोजगार की दृष्टि से विषय के आधुनिक संदर्भो में दक्ष बनाने हेतु वैकल्पिक प्रष्नपत्र के रूप में मीडिया एवं अनुवाद के विषय को भी सम्मिलित किया गया हैं। ऑनर्स पाठ्यक्रम के अन्तर्गत वैकल्पिक प्रष्नपत्रों का यह स्वरूप भूमंडलीकरण के दौर में आने वाली नित नई चुनौतियों को ध्यान में रख कर निर्धारित किया गया हैं, जिसके अध्ययन के द्वारा विद्यार्थी ज्ञान के विविध दृष्टिकोणों के साथ–साथ इस पाठ्यक्रम को रोजगारपरक दृष्टि से कैरियर के विकल्प के रूप में अपना सकें

हिन्दी विभाग ,गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केन्द्रीय -विश्वविद्यालय)बिलासपुर ,छत्तीसगढ़

एकीकृत पाठ्यक्रम के अन्तर्गत बी.ए. (ऑनर्स) के विद्यार्थियों को षष्ठ सेमेंस्टर के उपरान्त निकास विकल्प (एक्जिट ऑप्षन) की सुविधा भी उपलब्ध हैं.

परीक्षा प्रणाली विश्वविद्यालय नियमानुसार होगी

प्रष्नपत्र : बी.ए. (ऑनर्स) – प्रथम सेमेस्टर

प्रष्नपत्र कोड : 101 – हिन्दी भाषा का इतिहास

102 – हिन्दी साहित्य का इतिहास

द्वितीय सेमेस्टर : 201 – प्राचीन हिन्दी साहित्य

202 – छायावादी काव्य

तृतीय सेमेस्टर : 301 – भारतीय समीक्षा सिद्धान्त

302 – पूर्व मध्यकालीन काव्य (भक्तिकाव्य)

चतुर्थ सेमेस्टर : 401 – पाष्चात्य काव्यषास्त्र

402 – उत्तर मध्यकालीन काव्य (रीतिकाव्य)

पंचम सेमस्टर : 501 – कथा – साहित्य

502 – हिन्दी नाटक एवं एकांकी

503 – छायावादोत्तर काव्य

504 – हिन्दी निबंध एवं अन्य गद्य विधाएं

षष्ठ सेमेस्टर : षष्ठ सेमेस्टर में पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित विकल्पों में से विद्यार्थी किन्ही दो विकल्पों का चयन करेंगे। प्रत्येक विकल्प में दो प्रष्नपत्र होंगे.

विकल्प – 1 : प्रष्नपत्र कोडः 601 : अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार

602 : हिन्दी भाषा षिक्षण

विकल्प – 2 : प्रष्नपत्र कोड : 603 : मीडिया लेखन – 1

604 : मीडिया लेखन – 2

विकल्प – 3 : प्रष्नपत्र कोड : 605 : स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता

606 : स्वातंत्र्योत्तर कथा–साहित्य

विकल्प – 4 : प्रष्नपत्र कोड : 607 : रंगमंच सिद्धांन्त

608 : हिन्दी रंगमंच

एकीकृत पंचवर्षीय स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

प्रथम सेमेस्टर

पाठ्यक्रम संख्या : 101

हिन्दी भाषा का इतिहास

प्रथम ईकाई

हिन्दी भाषा का इतिहास और देवनागरी लिपि : विकास, मानकीकरण
अपभ्रंश,अवहट्ट और पुरानी हिन्दी का संबंध
काव्यभाषा के रूप में अवधी का उदय और विकास

द्वितीय ईकाई

काव्यभाषा के रूप में ब्रज का उदय और विकास
साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली का उदय और विकास
हिन्दी की प्रमुख बोलियाँ और उनका क्षेत्र

तृतीय ईकाई

भाषा के निर्माण में बोली का योगदान,
भाषा और बोली में अन्तर
हिन्दी भाषा के विविध रूपः सम्पर्क भाषा एवं राष्ट्रभाषा

चतुर्थ ईकाई

राजभाषा का संवैधानिक स्वरूप और त्रिभाषा सूत्र

हिन्दी प्रचार एवं प्रसारः प्रमुख व्यक्तियों एवं संस्थाओं का योगदान

- सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी भाषा का इतिहास	:	डा. धीरेंद्र वर्मा
2. हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास	:	उदय नारायण तिवारी
3. भाषा विज्ञान	:	भोलानाथ तिवारी
4. हिन्दी : उद्भव, विकास और रूप	:	हरदेव बाहरी
5. हिन्दी भाषा : इतिहास और स्वरूप	:	राजमणि शर्मा
6. सामान्य भाषा विज्ञान	:	बाबूराम सक्सेना
7. हिन्दी व्याकरण	:	कामता प्रसाद गुरू

प्रथम सेमेस्टर

पाठ्यक्रम संख्या : 102

हिन्दी साहित्य का इतिहास

प्रथम ईकाई

हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा
काल–विभाजन एवं नामकरण
आदिकाल : नामकरण की समस्या, आदिकालीन साहित्य की प्रमुख कृतियाँ, प्रवृत्तियाँ एवं विषेषताएँ
अमीर खुसरो एवं विद्यापति का सामान्य परिचय।

द्वितीय ईकाई

पूर्व–मध्यकाल (भक्तिकाल) : भक्ति आंदोलन : ऐतिहासिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक कारण
भक्ति आंदोलन का विकास : भक्ति मार्ग की शाखाएँ : सगुण मार्गी एवं निर्गुण मार्गी कवि : परिचय, रचनागत प्रवृत्तियाँ एवं विषेषताएँ।

तृतीय ईकाई

उत्तर–मध्यकाल (रीतिकाल) : रीतिकाल के उदय का राजनीतिक–सामाजिक व सांस्कृतिक आधार, काव्यधाराएँ एवं प्रतिनिधि कवि : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त

चतुर्थ इकाई

आधुनिक काल : राजनीतिक–सामाजिक परिदृष्य एवं हिन्दी गद्य का सूत्रपात
गद्य की प्रमुख विधाएँ : नाटक, निबंध, उपन्यास एवं कहानी की विकास–यात्रा
भारतेन्दु युग एवं भारतेन्दु मण्डल, हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव, **नवजागरण और भारतेन्दु युग**
द्विवेदी युग : प्रवृत्तियाँ एवं विषेषताएँ
प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ : छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, **नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता और जनवादी कविता** : प्रमुख कवि एवं विषेषताएँ।

- **सहायक ग्रंथ :**

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल।
2. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास : विष्वनाथ त्रिपाठी।
3. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।

4. हिन्दी साहित्य का इतिहास : संपादन : डा. नगेंद्र।
5. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डा. रामस्वरूप चतुर्वेदी।
6. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।
7. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डा. रामकुमार वर्मा।
8. गद्य साहित्य का इतिहास : डा. रामचंद्र तिवारी।

द्वितीय सेमेस्टर

पाठ्यक्रम संख्या 201

प्राचीन हिन्दी साहित्य

प्रथम इकाई

हिन्दी काव्य का आरम्भिक स्वरूप
सिद्ध, जैन एवं नाथ पंथ काव्य–परम्परा एवं विषेषताएँ
आरंभिक गद्य तथा लौकिक साहित्य।

द्वितीय इकाई

रासो काव्य परम्परा : वीर काव्य एवं श्रृंगारिक काव्य, पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता एवं महत्व।

तृतीय इकाई

हेमचन्द्र के दोहे : हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग (सं : नामवर सिंह)

दोहा संख्या : 73,74,75,76,77,78,82,84,85,88,90,92,100,109,118

चंदबरदाई : पृथ्वीराज रासो (पद्मावती समय)

चतुर्थ इकाई

अमीर खुसरो : (व्यक्तित्व एवं कृतित्व–परमानंद पांचाल)
हिन्दी गजल : ग
कव्वाली : घ (1) (2) (3)
गीत : ड. (4) (7) (13)
दोहा : च (आरंभिक 7 दोहे)
विद्यापति : (संपादक–षिवप्रसाद सिंह)
पद संख्या : 2, 8, 10, 12, 15, 26, 43, 48, 83, 95.

- सहायक ग्रन्थ :
  1. अमीर खुसरो : परमानंद पांचाल
  2. विद्यापति : षिवप्रसाद सिंह
  3. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल

4. हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. नाथ संप्रदाय : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. हिन्दी के विकास में अपभ्रंष का योग : डा. नामवर सिंह
8. आदिकालीन साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : राममूर्ति त्रिपाठी

द्वितीय सेमेस्टर

पाठ्यक्रम संख्या : 202

छायावादी काव्य

प्रथम इकाई

खड़ी बोली में कविता का विकास, स्वच्छंदतावाद और छायावाद, स्वाधीनता आन्दोलन और हिन्दी कविता
राष्ट्रीय काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख रचनाकार।

द्वितीय इकाई

छायावाद : सामाजिक–सांस्कृतिक एवं राजनीतिक पृष्ठभूमि, विषेषताएँ, काव्य–भाषा संबंधी विवाद, छायावाद की मुख्य प्रवृत्तियाँ, मुक्त छंद की अवधारणा एवं प्रयोग।

तृतीय इकाई

मैथिलीषरण गुप्त : भारत–भारती सम्पूर्ण

जयषंकर प्रसाद : कामायनी (चिंता एवं श्रद्धा सर्ग)

चतुर्थ इकाई

सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' : 1. राम की शक्ति पूजा

2. कुकुरमुत्ता

सुमित्रानंदन पंत : 1. प्रथम रश्मि

2. मौन निमंत्रण

महादेवी वर्मा : 1. मैं नीर भरी दुःख की बदली

2. यह मंदिर का दीप

- **सहायक ग्रंथ :**
  1. छायावाद : नामवर सिंह
  2. निराला की साहित्य–साधना : रामविलास शर्मा
  3. निराला : आत्महंता आस्था : दूधनाथ सिंह

4. महादेवी वर्मा : दूधनाथ सिंह
5. छायावाद और नवजागरण : महेंद्रनाथ राय
6. छायावादी कविता में बिम्ब–विधान : केदारनाथ सिंह
7. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह
8. आधुनिक साहित्य : नंददुलारे वाजपेयी
9. भारत भारती : मैथिलीशरण गुप्त
10. कामायनी : जयशंकर प्रसाद
11. राग विराग : निराला
12. पल्लव : सुमित्रानंदन पंत

तृतीय सेमेस्टर

पाठ्यक्रम संख्या : 301

भारतीय समीक्षा सिद्धान्त :

प्रथम इकाई

काव्य–लक्षण भामह,मम्मट,विश्वनाथ,पंडित जगन्नाथ

काव्य हेतु : प्रतिभा,व्युत्पत्ति,अभ्यास
काव्य–प्रयोजन।
शब्द–षक्ति, काव्यगुण, काव्यदोष।

द्वितीय इकाई

रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति, औचित्य सिद्धान्त का सामान्य परिचय।

अलंकार : परिभाषा एवं भेद।
अनुप्रास, यमक, ष्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिषयोक्ति, अन्योक्ति, विरोधाभास, दृष्टान्त, संदेह।

तृतीय इकाई

छंद : काव्य में छंदो का महत्व।
प्रमुख छंद – चौपाई, दोहा, सोरठा, रोला, सवैया, हरिगीतिका,
काव्य रूप – प्रबंध काव्य, महाकाव्य, खण्डकाव्य, चरितकाव्य, मुक्तक, गीतिकाव्य एवं प्रगीत।

चतुर्थ इकाई

हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास : सैद्धान्तिक,व्यावहारिक,प्रगतिवादी,मनोविश्लेषांवादी और

नई आलोचना

प्रमुख आलोचक : रामचन्द्र शुक्ल,हजारी प्रसाद द्विवेदी,रामविलास शर्मा , नगेन्द्र और नामवर

सिंह

- **सहायक ग्रंथ :**

1. साहित्य सिद्धांत : राम अवध द्विवेदी
2. भारतीय काव्यषास्त्र : डा. नगेंद्र
3. काव्य दर्पण : रामदहिन मिश्र
4. काव्य तत्व विमर्ष : राममूर्ति त्रिपाठी
5. संस्कृत काव्यषास्त्र : बलदेव उपाध्याय
6. भारतीय काव्यषास्त्र : भगीरथ मिश्र
7. रस–मीमांसा : रामचंद्र शुक्ल
8. हिन्दी आलोचना : विष्वनाथ त्रिपाठी
9. चिंतामणि : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
10. रचना और आलोचना : देवीषंकर अवस्थी
11. आलोचना और आलोचना : देंवीषंकर अवस्थी
12. इतिहास और आलोचना : नामवर सिंह
13. हिन्दी आलोचना : बीसवीं शताब्दी : नंददुलारे बाजपेयी
14. नया साहित्य : नये प्रष्न : नंददुलारे बाजपेयी
15. रामचंद्र शुक्ल : मलयज
16. वाद–विवाद–संवाद : नामवर सिंह
17. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह

तृतीय सेमेस्टर

पाठ्यक्रम संख्या : 302

भक्तिकाव्य (पूर्व मध्यकालीन काव्य)

प्रथम इकाई

भक्ति आन्दोलन के उदय की सामाजिक–सांस्कृतिक एवं राजनीतिक पृष्ठभूमि, एवं इसका अखिल भारतीय स्वरूप

द्वितीय इकाई

भक्तियुगीन विभिन्न काव्यधाराएँ प्रमुख निर्गुण एवं सगुण संप्रदाय, वैष्णव भक्ति की सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आलवार संत, हिन्दी संत काव्य, हिन्दी सूफी काव्य, राम काव्य एवं कृष्ण काव्य

तृतीय इकाई

मलिक मुहम्मद जायसी : नागमती वियोग खण्ड एवं सिंहलद्वीप खंड
(पद्मावत : संपादक – आचार्य रामचंद्र शुक्ल)
कबीर : कबीर ग्रन्थावली–सं. – श्यामसुंदर दास

(अंग गुरुदेव कौ,सुमिरन कौ अंग,विरह कौ अंग,परचा कौ अंग,ज्ञान विरह कौ अंग

चतुर्थ इकाई

सूरदास : भ्रमरगीतसार – सं.– आचार्य रामचंद्र शुक्ल

(आरंभिक 100 पद)

तुलसीदास : रामचरितमानस)सुंदरकाण्ड) –गीताप्रेस, गोरखपुर

कवितावली (उत्तरकाण्ड)

मीरा, रसखान, रैदास एवं मुल्ला दाउद का परिचयात्मक अध्ययन।

- **सहायक ग्रन्थ :**
  1. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी
  2. त्रिवेणी : आचार्य रामचंद्र शुक्ल

3. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय
4. जायसी : विजयदेव नारायण साही
5. महाकवि सूरदास : नन्ददुलारे वाजपेयी
6. लोकवादी तुलसीदास : विष्वनाथ त्रिपाठी
7. भक्तिकाव्य और भक्ति आन्दोलन : षिवकुमार मिश्र
8. लोक जागरण और हिन्दी साहित्य : डा. रामविलास शर्मा
9. संत काव्य परंपरा : परशुराम चतुर्वेदी
10. मसि कागद छुयो नहि : कबीर : देव प्रकाश मिश्र

हिन्दी विभाग ,गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केन्द्रीय -विश्वविद्यालय)बिलासपुर ,छत्तीसगढ़

चतुर्थ सेमेस्टर

पाठ्यक्रम संख्या : 401

पाष्चात्य काव्यषास्त्र

प्रथम इकाई

पाष्चात्य साहित्य चिंतन का इतिहास

प्लेटो : अनुकरण सिद्धांत।
अरस्तू : अनुकरण, विरेचन सिद्धांत
लौंजाइनस ' काव्य में उदात्त की अवधारणा।

द्वितीय इकाई

वड्र्सवर्थ : काव्य–भाषा का सिद्धांत।

बेनोदितो क्रोंचे : अभिव्यंजनावाद।

तृतीय इकाई

टी. एस. इलियट : निर्वैयक्तिकता।

आई. ए. रिचर्ड्स : मूल्य सिद्धांत।

चतुर्थ इकाई

नई समीक्षा : जॉन क्रो रैंसम, क्लीन्थ ब्रूक्स, एलेन टेट,विलियम एम्पसन

- **सहायक ग्रंथः**

1. पाष्चात्य काव्यषास्त्र : देवेंद्रनाथ शर्मा
2. भारतीय एवं पाष्चात्य काव्यषास्त्र : गणपति चंद्र गुप्त
3. पाष्चात्य काव्यषास्त्र : भगीरथ मिश्र
4. पाष्चात्य साहित्य चिंतन : निर्मला जैन, कुसुम बांठिया
5. पाष्चात्य समीक्षा : सिद्धांत और वाद : सूर्य प्रसाद दीक्षित
6. पाष्चात्य समीक्षा दर्षन : जगदीष चन्द्र जैन
7. नई समीक्षा : सं. महेंद्र चतुर्वेदी, राजकुमार कोहली

चतुर्थ सेमेस्टर

पाठ्यक्रम संख्या : 402

रीतिकाव्य (उत्तर मध्यकालीन काव्य)

प्रथम इकाई

रीतिकाव्य के मूल स्रोत , नामकरण की समस्या, राजनीतिक–सामाजिक परिवेष।

रीतिकालीन काव्यधाराएँ एवं प्रवृत्तियाँ रीतिकाव्य में लोक जीवन

द्वितीय इकाई

केषवदास : रामचंद्रिका : ग्यारहवाँ एवं बारहवाँ प्रकाष।
बिहारी – (बिहारी–रत्नाकर– सं–जगन्नाथ दास 'रत्नाकर')

आरंभिक 100 दोहे

तृतीय इकाई

घनानंद : (घनानंद कवित्त–सं.–विष्वनाथ प्रसाद मिश्र)

पद : 5,6,8,9,10,11,13,14,15,17,18,20,28,32,44,82,
भूषण : भूषण ग्रन्थावली (सं. विष्वनाथ प्रसाद मिश्र)

चतुर्थ इकाई

षिवराज भूषण : सम्पूर्ण .
षिवा बावनी : सम्पूर्ण
पद्माकर,मतिराम का सामान्य परिचय .

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. रीतिकाव्य की भूमिका : डा. नगेंद्र
2. बिहारी : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
3. घनानंद ग्रन्थावली : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
5. भूषण और उनका साहित्य : राजमल बोरा
6. घनानंद और स्वच्छंदतावादी काव्यधारा : मनोहर लाल गौड़
7. भूषण : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र

8. बिहारी सतसई : जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'

पंचम सेमेस्टर

पाठ्यक्रम संख्या : 501

कथा – साहित्य

प्रथम इकाई

हिन्दी उपन्यास एवं कहानी का उद्भव एवं विकास।

उपन्यास एवं यथार्थवाद,

प्रमुख उपन्यासकार : प्रेमचंद, जैनेन्द्र, यशपाल,फणीशवरनाथ रेणु , भीष्म साहनी

द्वितीय इकाई

हिन्दी कहानी के विविध आन्दोलन। प्रवृत्तियाँ एवं विषेषताएँ।

प्रमुख कहानीकार : प्रेमचंद, प्रसाद,अज्ञेय,मोहन राकेश, कृष्ण सोबती

तृतीय इकाई

उपन्यास

- गोदान : प्रेमचंद

मैला आँचल : फणीश्वर नाथ रेणु

दिव्या : यशपाल

महाभोज : मन्नू भण्डारी

चतुर्थ इकाई

कहानियाँ :

प्रेमचंद की सम्पूर्ण कहानियाँ (सं- अमृत राय)

एक दुनिया समानान्तर - सम्पूर्ण (सं- राजेन्द्र यादव)

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. हिन्दी कहानी का इतिहास : गोपाल राय
2. कहानी : नई कहानी : नामवर सिंह
3. हिन्दी कहानी की रचना–प्रक्रिया : परमानंद श्रीवास्तव
4. उपन्यास का उदय : अयान वॉट
5. उपन्यास और लोक–जीवन : राल्फ फॉक्स
6. हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा : रामदरष मिश्र
7. कथा विवेचना और गद्य षिल्प : रामविलास शर्मा
8. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा
9. कहानी का रचना विधान : जगन्नाथ प्रसाद शर्मा

पंचम सेमेस्टर

पाठ्यक्रम संख्या : 502

हिन्दी नाटक एवं एकांकी

प्रथम इकाई

हिन्दी नाटक का उद्भव एवं विकास : भारतेंदु युग, प्रसाद युग और स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक

द्वितीय इकाई

प्रमुख नाटककार : भारतेन्दु, प्रसाद,जगदीशचन्द्र माथुर, रामकुमार वर्मा, मोहन राकेश

हिन्दी एकांकी की विकास–यात्रा

तृतीय इकाई

नाटक :

भारतेंदु हरिष्चंद्र : भारत दुर्दशा
जयषंकर प्रसाद : स्कंदगुप्त
स्वदेष दीपक : कोर्ट मार्षल

मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन

चतुर्थ इकाई

एकांकी :

भुवनेष्वर : श्यामा : एक वैवाहिक विडम्बना
रामकुमार वर्मा : दीपदान
धर्मवीर भारती : नीली झील

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच : (सं.) नेमिचंद्र जैन
2. नाटककार भारतेंदु की रंग परिकल्पना : सत्येन्द्र तनेजा
3. हिन्दी नाटक का आत्म संघर्ष : गिरीष रस्तोगी
4. हिन्दी एकांकी की षिल्प विधि का विकास : सिद्धनाथ कुमार
5. एकांकी एवं एकांकीकार : रामचरण महेंद्र

6. हिन्दी नाटक के सौ बरस : प्रतिभा अग्रवाल
7. प्रसाद के नाटक : स्वरूप एवं संरचना : गोविंद चातक
8. हिन्दी नाटक : नई परख : (सं.) रमेष गौतम

पंचम सेमेस्टर

पाठ्यक्रम संख्या : 503

छायावादोत्तर काव्य

प्रथम इकाई

प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, हालावाद, नकेनवाद, नई कविता, सठोत्तरी कविता, अकविता की वैचारिक पृष्ठभूमि एवं विशेषताएँ

नवगीत और हिन्दी ग़ज़ल का उद्भव एवं विकास : कारण, विशेषताएँ एवं प्रमुख गीतकार

द्वितीय इकाई

दिनकर : कुरुक्षेत्र

अज्ञेय : असाध्य वीणा

तृतीय इकाई

नागार्जुन : बादल को घिरते देखा है, हरिजन गाथा, अकाल और उसके बाद

शंभुनाथ सिंह : देष हैं हम राजधानी नहीं, मुझको क्या–क्या न मिला

दुष्यंत कुमार : ये सारा जिस्म, कहाँ तो तय था

चतुर्थ इकाई

धूमिल : मोचीराम

मुक्तिबोध : ब्रह्मराक्षस

- **सहायक ग्रन्थ :**
  1. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा
  2. प्रगतिषील हिंदी कविता और रूप तरंग की भूमिका : रामविलास शर्मा
  3. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह
  4. आज की कविता : विनय विष्वास
  5. आधुनिक कविता यात्रा : रामस्वरूप चतुर्वेदी
  6. जनवादी साहित्य और समझ : रामनारायण शुक्ल
  7. हिन्दी नवगीत की विकास यात्रा : माधव कौषिक

हिन्दी विभाग ,गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केन्द्रीय -विश्वविद्यालय)बिलासपुर ,छत्तीसगढ़

पंचम सेमेस्टर

पाठ्यक्रम संख्या : 504

हिन्दी निंबध एवं अन्य गद्य विधाएँ

प्रथम इकाई

निबन्ध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा वृत्तांत, व्यंग्य एवं आत्म कथा का उद्भव एवं विकास
निबंध के विविध प्रकार
प्रमुख निबंधकार (डा. सत्येन्द्र, बालकृष्ण भट्ट, प्रेमचंद, गुलाब राय, हजारी प्रसाद द्विवेदी, रामविलास शर्मा, अज्ञेय, कुबेरनाथ राय

द्वितीय इकाई

पाठः

निबंध :

1. बालकृष्ण भट्ट – साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है।
2. बालमुकुन्द गुप्त – षिवषम्भू के चिट्ठे बनाम लार्ड कर्जन
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी – कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता
4. रामचंद्र शुक्ल – कविता क्या है
5. हजारी प्रसाद द्विवेदी – भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्याएँ

तृतीय इकाई

संस्मरण एवं यात्रा–वृत्तांत :

महादेवी वर्मा – भक्तिन

काषीनाथ सिंह – दंत कथाओं में त्रिलोचन

राहुल सांकृत्यायन – अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा

चतुर्थ इकाई

व्यंग्य :

हरिषंकर परसाई – विकलांग श्रद्धा का दौर (सम्पूर्ण निबंध)

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. माखनलाल शर्मा : महादेवी वर्मा का गद्य साहित्य
2. रामचंद्र तिवारी : हिन्दी का गद्य साहित्य
3. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
4. भारतेंदु युग और हिन्दी गद्य की विकास–परम्परा : रामविलास शर्मा
5. विनीता अग्रवाल : हिन्दी आत्मकथा : सिद्धांत और स्वरूप का विष्लेषण
6. हरदयाल : आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य

षष्ठ सेमेस्टर

पाठ्यक्रम संख्या : 601

नोट : षष्ठ सेमेस्टर में पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रस्तावित विकल्पों में से विद्यार्थी किन्दीं दो विकल्पो का चयन करेंगे। प्रत्येक विकल्प में दो प्रष्नपत्र होंगे।

विकल्प–1 प्रथम प्रष्नपत्र (601)

अनुवाद : सिद्धान्त एवं व्यवहार

प्रथम इकाई

भारत में अनुवाद की परम्परा एवं स्वरूप,
अनुवाद का वर्तमान परिदृष्य और हिन्दी
अनुवाद का भाषिक पक्ष एवं सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
अनुवाद : अर्थ एंव प्रक्रिया, स्त्रोत और लक्ष्य भाषा की तुलना

द्वितीय इकाई

बहुभाषा–भाषी समाज एवं पारस्परिक बोधगम्यता के संदर्भ में अनुवाद की भूमिका
अनुवाद एवं तत्काल भाषांतरण : तात्पर्य निर्णय, प्रकृतिगत एवं प्रविधिगत अन्तर
अनुवाद का व्यावसायिक परिदृष्य : अनुवाद संबंधी संस्थाएँ और कार्य

तृतीय इकाई

मूल लेखन एवं अनुवाद : सर्जनात्मकता का प्रष्न
अनुवाद के विविध रूप : सर्जनात्मक साहित्य, ज्ञान–विज्ञान का साहित्य, तकनीकी साहित्य, सूचनापरक साहित्य

चतुर्थ इकाई

अनुवाद के विविध क्षेत्र : प्रषासनिक अनुवाद, बैंकिंग अनुवाद, मषीनी अनुवाद, लिप्यंतरण

अनुवाद व्यवहार : **अँग्रेजी से हिन्दी एवं हिन्दी से अँग्रेजी अनुवाद**

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. अनुवाद के सिद्धांत : रामालु रेड्डी
2. अनुवाद विज्ञान : डा. नगेंद्र
3. अनुवाद (व्यवहार से सिद्धांत की ओर) : हेमचंद्र पाण्डे
4. सृजनात्मक साहित्य का अनुवाद : सुरेष सिंहल
5. काव्यानुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ : नवीन चंद्र सहगल
6. Routledge Encyclopedia of Translation : मोना, बेकर

The theory of practice of Translation : E.NIDA

षष्ठ सेमेस्टर

पाठ्यक्रम संख्या : 602 (द्वितीय प्रष्नपत्र)

विकल्प–1

हिन्दी भाषा–षिक्षण

प्रथम इकाई

भाषा–षिक्षण के सन्दर्भ : भाषा–षिक्षण का सामाजिक, शैक्षिक एवं भाषिक संदर्भ।

द्वितीय इकाई

भाषा– षिक्षण की परिकल्पना :

मातृभाषा, द्वितीय भाषा एवं विदेषी भाषा

मातृभाषा, द्वितीय भाषा एवं विदेषी भाषा के षिक्षण में अन्तर

सामान्य एवं विषेष प्रयोजन हेतु भाषा–षिक्षण

तृतीय इकाई

भाषा–षिक्षण की प्रणाली :

भाषा–कौषल : श्रवण, भाषण, वाचन, लेखन

भाषा–कौषलों के विकास की तकनीक

व्याकरण–अनुवाद विधि, प्रत्यक्ष विधि, मौखिक वार्तालाप विधि,

संरचनात्मक विधि, द्वि–भाषिक षिक्षण विधि।

चतुर्थ इकाई

हिन्दी का मातृभाषा के रूप में षिक्षण :

स्कूली षिक्षा, उच्च षिक्षा, दूरस्थ षिक्षा, तकनीकी एवं विषिष्ट प्रयोजन संबंधी षिक्षा

- **सहायक गन्थ :**

1. भाषा–षिक्षण : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
2. भाषा–षिक्षण : लक्ष्मीनारायण शर्मा

3. हिन्दी भाषा–षिक्षण : भोलानाथ तिवारी
4. अन्य भाषा–षिक्षण के कुछ पक्ष : सं. – अमर बहादुर सिंह
5. अनुप्रयुक्त भाषा–विज्ञान : सं.–रवीन्द्रनाथश्रीवास्तव, भोलानाथ तिवारी, कृष्णकुमार गोस्वामी

षष्ठ सेमेस्टर

विकल्प–2

प्रथम प्रष्नपत्र

पाठ्यक्रम संख्या : 603

मीडिया लेखन–1

प्रथम इकाई

भारत में पत्रकारिता का इतिहास, हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास। 19वीं सदी में हिन्दी पत्रकारिता, पूर्व गाँधी युग, गाँधी युग, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी पत्रकारिता, आपातकाल और हिन्दी पत्रकारिता, व्यावसायिक पत्रकारिता एवं हिन्दी पत्रकारिता की समकालीन चुनौतियाँ।

द्वितीय इकाई

जनसंचार की अवधारणा, समाचार पत्र की निर्माण प्रक्रिया, रेडियो एवं टी.वी. कार्यक्रम के निर्माण एवं प्रसारण की प्रक्रिया, फिल्म–निर्माण, इंटरनेट एवं ब्लौगिंग प्रक्रिया।

तृतीय इकाई

प्रिंटिंग प्रेस (मुद्रण) का विकास, समकालीन मुद्रण के रूप में कम्प्यूटर की भूमिका : यूनीकोड, पेजमेकिंग, प्रिंटिंग, डिजाइनिंग, पेज–सज्जा, मेकअप, ले–आउट आदि।

चतुर्थ इकाई

सम्पादन कौषल का समकालीन संदर्भ

आचार संहिता के सवाल, प्रसार–भारती, केबल ऐक्ट, विज्ञापन व्यवस्था

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. हिन्दी पत्रकारिता : कृष्ण बिहारी मिश्र
2. समाचार पत्र और संपादन कला : अम्बिकादत्त वाजपेयी
3. जन माध्यम और मास कल्चर : जगदीष्वर चतुर्वेदी
4. रेडियो वार्ता षिल्प : सिद्धनाथ कुमार
5. हिन्दी पत्रकारिताःविविध आयाम : वेदप्रताप वैदिक
6. दूरदर्षन की भूमिका : सुधीष पचौरी
7. टेलीविजन सिद्धांत और टेक्नीक : मथुरा दत्त शर्मा

8. हिन्दी पत्रकारिता का आलोचनात्मक इतिहास : रमेष कुमार जैन

9. हिन्दी पत्रकारिता : आधुनिक संदर्भ : देव प्रकाश मिश्र

षष्ठ सेमेस्टर

विकल्प–2

पाठ्यक्रम संख्या – 604

मीडिया लेखन–2

प्रथम इकाई

भाषा के तत्व, भाषा प्रयोग, लेखन के मूलभूत सिद्धांत। प्रिंट मीडिया के लिए लेखन

समाचार, संपादकीय लेखन, फीचर, वार्ता, नाटक, कहानी, साक्षात्कार, खेल, बच्चों, किसानों, महिलाओं, व्यापार आदि के कार्यक्रमों के लिए लेखन।

द्वितीय इकाई

रेडियों के लिए लेखन :
समाचार, रिपोर्टिंग, फीचर वार्ता, परिचर्चा, पटकथा, संवाद लेखन एवं नाटक, ध्वनि–रूपक, कहानी, विज्ञापन, खेल कमेंट्री, बच्चों, किसानो, महिलाओं, व्यवसाय आदि के कार्यक्रमों के लिए लेखन।

तृतीय इकाई

टेलीविजन के लिए लेखन :
लिखित स्क्रिप्ट का दृष्यीकरण, दृष्य–लेख की विषेषताएँ, भेंट वार्ता, नाटक, धारावाहिक, विज्ञापन, टेली–फिल्म, साक्षात्कार के लिए लेखन।

चतुर्थ इकाई

फिल्म के लिए लेखन :

फिल्म की भाषा, फिल्म की पटकथा, डॉक्यूमेंट्री की पटकथा

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. मीडिया लेखन : ऋतु गाठी
2. फीचर लेखन : मनोहर श्याम जोषी
3. जन माध्यम और मास कल्चर : जगदीष्वर चतुर्वेदी
4. संचार–और–विकास : श्यामाचरण दुबे
5. रेडियो लेखन : मधुकर गंगाधर

6. हिन्दी पत्रकारिता : आधुनिक संदर्भ : देव प्रकाश मिश्र

षष्ट सेमेस्टर

विकल्प–3

पाठ्यक्रम संख्या : 605

स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता

प्रथम इकाई

स्वातंत्र्योत्तर काव्य–आन्दोलन : प्रयोगवाद, नई कविता, साठोत्तरी कविता, नवगीत और हिन्दी गजल, अकविता, नक्सलवाड़ी कविता एवं समकालीन कविता की वैचारिक पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ

द्वितीय इकाई

शमषेर बहादुर सिंह : लौट आ ओ धार, य' शाम है

केदारनाथ अग्रवाल : माँझी न बजाओ वंषी, धरती

त्रिलोचन : चम्पा काले–काले अक्षर नहीं चीन्हती, भोरई केवट के घर

तृतीय इकाई

रघुवीर सहाय : हँसो–हँसो जल्दी हँसो

श्रीकान्त वर्मा : हस्तिनापुर का रिवाज

सर्वेष्वर दयाल सक्सेना : भेड़िया–1, 2, 3.

कुंवर नारायण : अयोध्या–1992

केदारनाथ सिंह : दुपहरिया

चतुर्थ इकाई

आलोक धन्वा : सफेद रात,

कात्यायनी : सात भाइयों के बीच चम्पा

अरुण कमल : अपनी केवल धार

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. हिन्दी की प्रगतिषील कविता : लल्लन राय
2. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा
3. जनवादी साहित्य और समझ : रामनारायण शुक्ल
4. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह
5. समकालीन कविता का व्याकरण : परमानंद श्रीवास्तव
6. समकालीन साहित्य की भूमिका : विष्वंभर नाथ उपाध्याय
7. कविता की संगत : विजय कुमार
8. कवि का अकेलापन : मंगलेष डबराल

षष्ठ सेमेस्टर

विकल्प–3

पाठ्यक्रम संख्या : 606

स्वातंत्र्योत्तर कथा–साहित्य

प्रथम इकाई

स्वातंत्र्योत्तर कहानी आंदोलन : नई कहानी, सचेतन कहानी, समांतर कहानी, अकहानी, अकहानी की वैचारिक पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियाँ
स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास : परम्परा, प्रगति एवं प्रयोग

द्वितीय इकाई

पाठ :–

उपन्यास :

आधा गाँव : राही मासूम रजा

राग–दरबारी : श्रीलाल शुक्ल

तृतीय इकाई

मित्रो मरजानी : कृष्णा सोबती

- **कहानियाँ :**

यही सच है : मन्नू भंडारी

चीफ की दावत : भीष्म साहनी

चतुर्थ इकाई

नन्हों : षिवप्रसाद सिंह

राजा निरबंसिया : कमलेष्वर

पाल गोमरा का स्कूटर : उदय प्रकाष

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. हिन्दी कहानी का इतिहास : गोपाल राय

2. कहानी नई कहानी : नामवर सिंह
3. नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीषंकर अवस्थी
4. बीसवीं शताब्दी का उत्तरार्द्ध : हिन्दी कहानी – नरेंद्र मोहन
5. हिन्दी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय
6. हिन्दी उपन्यास का विकास : मधुरेष
7. उपन्यास की समकालीनता : ज्योतिष जोषी
8. आज का हिन्दी उपन्यास : इन्द्रनाथ मदान
9. उपन्यास : स्वरूप एवं संवेदना : राजेंद्र यादव

षष्ठ सेमेस्टर

विकल्प–4

पाठ्यक्रम संख्या : 607

रंगमंच सिद्धांत

प्रथम इकाई

संस्कृत और पारम्परिक रंगमंच का स्वरूप, प्राचीन भारतीय नाट्यरूप–रूपक, उपरूपक एवं इनके भेद।

द्वितीय इकाई

आधुनिक नाट्यरूप–एकांकी, काव्य–नाटक, रेडियो नाटक, नुक्कड़ नाटक, टेलीफिल्म और धारावाहिक।

तृतीय इकाई

भारतेंदु हरिष्चंद्र, जयषंकर प्रसाद और मोहन राकेष का रंगमंच संबंधी चिन्तन नाटक के संदर्भ में भरतमुनि के नाट्य सिद्धांत एवं अरस्तू के नाट्य सिद्धांत का तुलनात्मक अध्ययन।

चतुर्थ इकाई

नाटक की विधागत विषिष्टता, नाट्य–तत्व, नाटक और रंगमंच का अंतःसंबंध दृष्य और श्रव्य तत्वों का समायोजन

रंगकर्म : नाटक का निर्देषक, अभिनेता, पार्ष्वकर्म।

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. नाट्यषास्त्र : राधावल्लभ त्रिपाठी
2. रंगमंच : बलवन्त गार्गी
3. पारंपरिक भारतीय रंगमंच : कपिला वात्स्यायन
4. हिन्दी रंगमंच का इतिहास : चंद्रलाल दूबे
5. भारतीय एवं पाष्चात्य रंगमंच : सीताराम चतुर्वेदी
6. रंगमंच : शैल्डान चेनी
7. रंगमंच दर्षन : नेमिचंद जैन

षष्ठ सेमेस्टर

विकल्प – 4

पाठ्यक्रम संख्या : 608

हिन्दी रंगमंच

प्रथम इकाई

प्राचीन भारतीय प्रदर्षन परम्परा और आधुनिक रंगमंच

हिन्दी रंगमंच का इतिहास : पारसी थिएटर, भारतेंदुयुगीन रंगमंच, पृथ्वी थिएटर, इप्टा

द्वितीय इकाई

स्वातंत्र्योत्तर रंगमंच : राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, रंगमंडल भारत भवन भोपाल, भारतेंदु नाट्य अकादमी लखनउ

तृतीय इकाई

आधुनिक रंगमंच की विविध शैलियाँ : शैलीबद्ध (स्टाइलाइज्ड), यथार्थवादी, एब्सर्ड एवं–लोक शैली

चतुर्थ इकाई

प्रमुख रंगकर्मी एवं रंग–दृष्टि : इब्राहिम अल्काजी, ब.व. कारंत, हबीब तनवीर, भिखारी ठाकुर

किसी एक नाट्यकृति की रंगमंचीय समीक्षा

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. पारंपरिक भारतीय रंगमंच : कपिला वात्स्यायन
2. पारसी हिन्दी रंगमंच : लक्ष्मीनारायण लाल
3. नाट्य सम्राट पृथ्वीराज कपूर : जानकी वल्लभ शास्त्री
4. आधुनिक हिन्दी नाटक एवं रंगमंच : नेमिचंद जैन
5. समकालीन हिन्दी नाटक एवं रंगमंच : नरेंद्र मोहन
6. पहला रंग : देवेन्द्र राज अंकुर
7. भिखारी ठाकुर : भोजपुरी के भारतेंदु : भगवत प्रसाद द्विवेदी
8. थियेटर्स ऑफ इंडिपेंडेंस : अपर्णा–भार्गव धारबाड़कर

पाठ्यक्रम प्रस्तावना :

एकीकृत पंचवर्षीय पाठ्यक्रम (स्नातकोत्तर)

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम सेमेस्टर से दषम् सेमेस्टर तक का हिन्दी साहित्य का पाठ्यक्रम प्रस्तावित हैं. इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के विभिन्न पक्षों का व्यापक रूप से अध्ययन कराने के उद्देष्य से साहित्य के प्रचलित पारम्परिक दृष्टिकोणों के साथ–साथ आधुनिक संदर्भों का समावेष भी किया गया है। प्रस्तावित पाठ्यक्रम का प्रमुख उद्देष्य निर्धारित चार सेमेस्टर के अन्तर्गत उच्च षिक्षा के संदर्भ में साहित्य के महत्व, उपयोगिता एवं आधुनिक समय में साहित्य के निर्मित मानदण्डों एवं धाराओं से विद्यार्थियों को अवगत कराना है। हिन्दी पाठ्यक्रम को नई चुनौतियों के अनुरूप रोजगापरक एवं बहुद्देषीय स्वरूप देने के उद्देष्य से अष्टम् एवं दषम् सेमेस्टर के अन्तर्गत वैकल्पिक प्रष्नपत्र के रूप में अनुवाद एवं अस्मितामूलक साहित्य एवं भारतीय भाषाओं के साहित्य के प्रष्नपत्र सम्मिलित किए गए हैं, जिसके अध्ययन द्वारा विद्यार्थी आधुनिक हिन्दी साहित्य एवं सामानांतर भारतीय भाषा के साहित्य का ज्ञान अर्जित कर सके,

- **परीक्षा प्रणाली एवं अंक योजना विश्वविद्यालय नियमानुसार होगी**

प्रष्नपत्र विवरण : एकीकृत स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम

सप्तम सेमेस्टर :

प्रष्नपत्र कोड : 701 – छायावादी काव्य

702 – कथेतर गद्य विधाएँ

703 – भाषा – विज्ञान

704 – हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल)

अष्टम सेमेस्टर :

प्रष्नपत्र कोड : 801 – छयावादोत्तर काव्य

802 – कथा – साहित्य

803 – हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

804 – हिन्दी नाटक एवं एकांकी

नवम् सेमेस्टर : **901** – भक्ति काव्य

902 – अस्मिता,साहित्य और संस्कृति

903 – भारतीय काव्यषास्त्र

904 – आधुनिक भारतीय साहित्य

दशम् सेमेस्टर : 1001 – रीतिकाव्य

1002 – पाष्चात्य काव्यषास्त्र

1003 – हिन्दी आलोचना

1004 – **(वैकल्पिक प्रष्नपत्र)**

1004.1 – रंगमंच एवं लोक–साहित्य

1004.2 – अनुवाद अध्ययन

1004.3 – जनसंचार माध्यम

स्नातकोत्तर सप्तम् सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या–701
छायावादी काव्य :

प्रथम इकाई

स्वच्छन्दतावादी काव्यधारा एवं छायावाद
छायावाद : परिभाषा, नामकरण, काल–निर्धारण।
छायावाद युगीन राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवेष।
स्वाधीनता आन्दोलन और छायावादी कविता, रहस्यवाद बनाम छायावाद।

द्वितीय इकाई

छायावाद की दार्षनिक पृष्ठभूमि : रॉमैण्टिसिज्म एवं बांग्ला कविता, रहस्यवाद एवं नवरहस्यवाद, वेदान्त, नवमानवतावाद, अरविंद दर्षन, गांधीवाद, आधुनिकता एवं मार्क्सवाद का प्रभाव।

तृतीय इकाई

छायावादी कवियों का संस्कृति, प्रकृति और स्त्री विषयक चिन्तन।
काव्यभाषा एवं छंद विधान, ब्रजभाषा और खड़ी बोली का द्वंद्व, पल्लव की भूमिका।
मुक्त छन्द, प्रगीत तथा लम्बी कविता की अवधारणा।

चतुर्थ इकाई

पाठ :

जयषंकर प्रसाद	: कामायनी -श्रद्धा और इडा
सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला	: सरोज–स्मृति, राम की शक्ति–पूजा,कुकुरमुत्ता, बादल राग
सुमित्रानंदन पन्त	: परिवर्तन, नौका विहार, अनामिका के कवि के प्रति
महादेवी वर्मा	: फिर पूजा क्या अर्चन रे, पंथ रहने दो अपरिचित, बीन भी हूँ मै, यह मंदिर का दीप।

- **सहायक ग्रन्थः**

1. छायावाद : नामवर सिंह
2. छायावाद का पतन : देवराज
3. छायावाद और नवजागरण : महेंद्रनाथ राय
4. निराला की साहित्य साधना : रामविलास शर्मा
5. निराला – आत्महन्ता आस्था : दूधनाथ सिंह
6. कामायनी : एक पुनर्विचार : मुक्तिबोध
7. महादेवी वर्मा : दूधनाथ सिंह
8. पंत और पल्लव : सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
9. रहस्यवाद का समाजषास्त्र : देवप्रकाष मिश्र
10. काव्यकला एवं अन्य निबन्ध : जयषंकर प्रसाद

स्नातकोत्तर सप्तम सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 702
कथेतर गद्य विधाएँ

प्रथम इकाई

हिन्दी गद्य की निर्माण–भूमिः फोर्ट विलियम कॉलेज

भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्यः गिलक्राइस्ट, सदल मिश्र, इंषाअल्ला खॉ, सदासुख लाल, षिवप्रसाद सितारेहिन्द, एवं राजा लक्ष्मण सिंह का योगदान।

द्वितीय इकाई

भारतेन्दु युगः आधुनिकता और हिन्दी गद्य का अन्तर्सम्बन्ध, गद्य की भाषा, खडी बोली की निर्माण–भूमि।

हिन्दी गद्य के विकास में द्विवेदी युग का महत्व।

रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, रिपोर्ताज, व्यंग्य एवं निबंध का उद्भव और विकास।

प्रमुख निबंधकार : रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, कुबेरनाथ राय, हरिशंकर परसाई

पाठ :

तृतीय इकाई

निबंध :

कविता क्या है	: रामचंद्र शुक्ल
अषोक के फूल	: हजारी प्रसाद द्विवेदी
व्यापकता और गहराई	: नामवर सिंह
संस्कृति का शेषनाग	: कुबेरनाथ राय
पगडंडियों का जमाना है	: हरिशंकर परसाई

चतुर्थ इकाई

यात्रावृत्तांत :

अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा : राहुल सांकृत्यायन

संस्मरण :

सत्य के प्रयोग : महात्मा गांधी

आत्मकथा :

आत्मकथा : जवाहरलाल नेहरू

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. गद्य साहित्य का इतिहास : रामचंद्र तिवारी
2. हिन्दी साहित्य और संवदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

3. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : बच्चन सिंह
4. भारतेंदु युग और हिन्दी गद्य की विकास–परम्परा : रामविलास शर्मा
5. भारतेंदु युग : रामविलास शर्मा
6. समाजिक क्रान्ति के दस्तावेज : संपादक : शंभुनाथ
7. रस्साकषी : वीर भारत तलवार
8. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास : विष्वनाथ त्रिपाठी

स्नातकोत्तर सप्तम् सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 703
(भाषा विज्ञान)

प्रथम इकाई

अपभ्रंश (अवहट्ट सहित) और पुरानी हिन्दी का संबंध, काव्यभाषा के रूप मे अवधी का उदय और विकास, काव्यभाषा के रूप मे ब्रजभाषा का विकास, साहित्यिक हिन्दी के रूप मे खड़ी बोली का उदय और विकास , मानक हिन्दी का भाषावैज्ञानिक विवरण (रूपगत), हिन्दी की बोलियाँ - वर्गीकरण तथा क्षेत्र , नागरी लिपि का विकास और उसका मानकीकरण

द्वितीय इकाई

ध्वनि संरचना : हिन्दी की स्वर तथा व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण, महाप्राण व्यंजन ध्वनियॉ, नासिक्य, अनुस्वार और अनुनासिकता, स्वनिम व्यस्था

तृतीय इकाई

रूप संरचना : रूपिम की संकल्पना, शब्द और अर्थ का संबंध, शब्द निर्माण की आवष्यकता और प्रक्रिया, शब्द के प्रकार, शब्द वर्ग, पद की संकल्पना

चतुर्थ इकाई

वाक्य संरचना : वाक्य का स्वरूप, वाक्य के प्रकार, प्रोक्ति का स्वरूप एवं विष्लेषण
अर्थ–संरचना : अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिषाएँ, अर्थ–विस्तार, अर्थ–संकोच, अर्थादेष, अर्थोत्कर्ष एवं अर्थापकर्ष

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. हिन्दी भाषा : हरदेव बाहरी
2. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
3. भाषा–विज्ञान की भूमिका : देवेंद्रनाथ शर्मा
4. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा
5. हिन्दी शब्दानुषासन : किषोरीदास वाजपेयी
6. प्राचीन आर्यभाषा परिवार और हिन्दी : रामविलास शर्मा
7. भारत की भाषा समस्या : रामविलास शर्मा
8. हिन्दी भाषा संरचना के विविध आयाम : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
9. One language tow scripts : क्रिस्टोफर किंग
10. Hindi phonetic Reader : ओंकार एन कौल

स्नातकोत्तर सप्तम् सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 704
हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल)

प्रथम इकाई

साहित्य का इतिहास–दर्षन : गार्सा–द–तासी, जार्ज ग्रियर्सन, षिवसिंह सेंगर, मिश्रबंधु, आचार्य रामचंद्र शुक्ल का इतिहास–दर्षन।

साहित्येतिहास लेखन की प्रमुख पद्धतियॉ, प्रमुख इतिहास ग्रंथ एवं काल–विभाजन का आधार

द्वितीय इकाई

आदिकाल : राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिदृष्य।

नामकरण की समस्या, प्रमुख प्रवृत्तियॉ।

रासो काव्य परम्परा : प्रमुख ग्रन्थ।

पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता, ऐतिहासिकता एवं श्रुति/वाचिक परम्परा

सिद्ध एवं नाथ सम्प्रदाय, विद्यापति, अमीर खुसरो की प्रयोगधर्मिता।

तृतीय इकाई

भक्तिकाल : भक्ति आन्दोलन के उदय की ऐतिहासिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं दर्षनिक पृष्ठभूमि – आलवार संत, भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप एवं इसका अंतः प्रादेशिक वैशिष्ट्य

लोक–जागरण की अवधारणा और भक्ति काव्य, भक्ति काल के विविध सम्प्रदाय भक्तियुगीन काव्य धाराऍ

हिन्दी संत काव्य – संत काव्य का वैचारिक आधार, प्रमुख निर्गुण संत कवि, कबीर,नानक,दादू, रैदास, संत काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, भारतीय धर्म साधना मे संत कवियों का स्थान

हिन्दी सूफी काव्य - सूफी काव्य का वैचारिक आधार, हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य- मुल्ला दाऊद(चंदायन),कुतुबन (मिरगावती), मंझन(मधुमालती),जायसी(पद्मावती)

सूफी प्रेमाख्यानों का स्वरूप,सूफी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ

हिन्दी कृष्ण काव्य - विविध संप्रदाय - वल्लभ संप्रदाय, अष्टछाप, प्रमुख कृष्णभक्त कवि और काव्य, सूरदास (सूरसागर), नन्ददास (रासपंचाध्यायी), भ्रमरगीत परंपरा, गीति परंपरा और हिन्दी कृष्ण काव्य - मीरा, रसखान

चतुर्थ इकाई

रीतिकाल : नामकरण की समस्या, विभिन्न काव्यधाराऍ अन्य प्रवृत्तियॉ : वीर काव्य, प्रकृति चित्रण, उपदेषपरकता ओर लोक–जीवन ।

- **सहायक ग्रंथ :**

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी

3. लोक–जागरण और हिन्दी साहित्य : रामविलास शर्मा
4. भक्ति आन्दोलन और सूर का काव्य : मैनेजर पाण्डे
5. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. त्रिवेणी : रामचंद्र शुक्ल
7. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास : हजारी प्रसाद द्विवेदी
8. रीतिकाव्य की भूमिका : डा. नगेंद्र
9. कबीर : मसि कागद छुयौ नहिं : देव प्रकाष मिश्र
10. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गणपति चन्द्र गुप्त

स्नातकोत्तर अष्टम् सेमेस्टर
पाठ्यकम संख्या : 801
छायावादोत्तर काव्य

प्रथम इकाई

छायावादोत्तर काव्य की राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।

द्वितीय इकाई

छायावादोत्तर कविता में विविध वाद : उत्तर छायावाद, हालावाद, नकेनवाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, अकविता, नवगीत, साठोत्तरी एवं समकालीन कविता.

पाठ :

तृतीय इकाई

उर्वषी (तृतीय सर्ग)	: रामधारी सिंह दिनकर
अंधेरे में	: गजानन माधव मुक्तिबोध
असाध्य वीणा	: अज्ञेय

चतुर्थ इकाई

पटकथा/जनतंत्र का सूर्योदय	: धूमिल
मुक्ति प्रसंग	: राजकमल चौधरी
नाटक जारी है	: लीलाधर जगूड़ी

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. कल्पना का उर्वषी विवाद : सं.– गोपेष्वर सिंह
2. नई कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा
3. कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह
4. लघुमानव के बहाने हिन्दी कविता पर बहस : विजयदेव नारायण साही
5. नयी कविता के प्रतिमान : लक्ष्मीकान्त वर्मा
6. जनवादी समझ और साहित्य : रामनारायण शुक्ल
7. कविता की संगत : विजय कुमार
8. समकालीन कविता का व्याकरण : परमानंद श्रीवास्तव
9. कवि कह गया है : अषोक वाजपेयी
10. एक साहित्यिक की डायरी : मुक्तीबोध

स्नातकोत्तर अष्टम् सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 802
कथा–साहित्य

प्रथम इकाई

विष्व उपन्यास लेखन एवं हिन्दी उपन्यास लेखन की परम्परा।

हिन्दी उपन्यास की विकास–यात्रा : प्रेमचंद पूर्व उपन्यास,प्रेमचंद और उनका युग, प्रेमचंद के परवर्ती उपन्यासकार (जैनेन्द्र, अज्ञेय, हजारी प्रसाद द्विवेदी, यशपाल, अमृतलाल नागर, फणीशवरनाथ रेणु, भीष्म साहनी, कृष्णा सोबती, निर्मल वर्मा, नरेश मेहता, श्रीलाल शुक्ल, राही मासूम रज़ा, रांगेय राघव, मन्नू भण्डारी)

आख्यान, गल्प, उपदेषात्मकता, जासूसी, तिलिस्मी–ऐयारी, आदर्षोन्मुख–यथार्थवाद, यथार्थवाद, मनोविष्लेषणवाद, आंचलिकता, ऐतिहासिकता एवं संस्कृति बोध।

द्वितीय इकाई

कथा, लोककथा, किस्सा और कहानी

हिन्दी कहानी की विकास–यात्रा, वैचारिक आधार : प्रेमचंद पूर्व एवं प्रेमचंद युग, नयी कहानी, अकहानी, सचेतन कहानी, समांतर कहानी जनवादी कहानी, सक्रिय कहानी, समकालीन कहानी, नवलेखन, लघुकथा।

पाठ :

तृतीय इकाई

उपन्यास	:	गोदान	: प्रेमचंद
		शेखर : एक जीवनी (1)	: अज्ञेय
		मैला ऑचल	: फणीष्वर नाथ 'रेणु'
		बाणभट्ट की आत्मकथा	: हजारी प्रसाद द्विवेदी

चतुर्थ इकाई

कहानी	:	उसने कहा था	: चंद्रधर शर्मा गुलेरी
		गुंडा	: जयषंकर प्रसाद
		तीसरी कसम	: फणीष्वर नाथ 'रेणु'
		परिंदे	: निर्मल वर्मा
		हंसा जाई अकेला	: मार्कण्डेय
		घण्टा	: ज्ञानरंजन
		अपना रास्ता लो बाबा	: काषीनाथ सिंह
		मोहनदास	: उदयप्रकाष

- **सहायक गन्थ :**

1. हिन्दी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय
2. उपन्यास का सिद्धांत : जार्ज लुकाच
3. यथार्थवाद : षिवकुमार मिश्र

4. उपन्यास और लोक जीवन : रॉल्फ फॉक्स
5. उपन्यास का उदय : ऑयन वॉट
6. हिन्दीं उपन्यास : एक अंतर्यात्रा : रामदरष मिश्र
7. हिन्दी उपन्यास पर पाष्चात्य प्रभाव : भारत भूषण अग्रवाल
8. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा
9. आंचलिक्ता, यथार्थवाद और फणीष्वर नाथ रेणु : सुभाष कुमार
10. नई कहानी : प्रकृति और पाठ : सुरेंद्र चौधरी
11. कहानी का रचना–विधान : जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
12. कहानी नई कहानी : नामवर सिंह
13. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीषंकर अवस्थी
14. समकालीन कहानी की पहचान : नरेंद्र मोहन

स्नाकोत्तर अष्टम् सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 803
हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

प्रथम इकाई

आधुनिकताः अवधारणा, राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक पृष्ठभूमि।
आधुनिक की प्रवृत्तियॉ, आधुनिकता, आधुनिक एव आधुनिकीरण में अंन्तर।
हिन्दी गद्य एवं आधुनिकता का अन्तर्सम्बन्ध।
हिन्दी–उर्दू विवाद : खड़ी बोली की निर्माण भूमि।

द्वितीय इकाई

पुनर्जागरण की संकल्पना और भारतीय नवजागरण : वैचारिक परिप्रेक्ष्य।
हिन्दी नवजागरण की अवधारणा और हिन्दी जाति का स्वरूप।
हिन्दी पत्रकारिता की विकास यात्रा : हिन्दी की जातीय चेतना के निर्माण में पत्रकारिता की भूमिका।

तृतीय इकाई

भारतेंदुयुगीन साहित्यिक प्रवृत्तियॉ एवं भारतेंदु मण्डल, विभिन्न गद्य विधाओं का विकास।
द्विवेदी युगः ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक परिस्थितियॉ
हिन्दी नवजागरण और सरस्वती पत्रिका

मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा

चतुर्थ इकाई

खड़ी बोली में कविता का आंरभिक स्वरूप एवं स्वच्छंदतावादी काव्यधारा

छायावाद और उसके बाद : छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, छायावाद के प्रमुख कवि : प्रसाद, निराला, पंत, महादेवी

उत्तरछायावादी काव्य और उसके प्रमुख कवि

मार्क्सवाद एवं **नवमार्क्सवाद**, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता की प्रवृत्तिगत विषेषताएँ।
समकालीन साहित्यिक परिदृष्य का परिचयात्मक अध्ययन। **समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता**

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. गद्य साहित्य का इतिहास : रामचंद्र तिवारी
2. रस्साकषी : वीर भारत तलवार
3. भारतेंदु युग और हिन्दी गद्य की विकास परम्परा : रामविलास शर्मा
4. हिन्दी पत्रकारिता : कृष्णबिहारी मिश्र
5. भारतेंदु हरिष्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ : रामविलास शर्मा
6. 1857 और हिन्दी नवजागरण : प्रदीप सक्सेना

7. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा
8. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियॉ : नामावर सिंह
9. हिन्दी आलोचना : विष्वनाथ त्रिपाठी
10. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : बच्चन सिंह
11. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह
12. हिन्दी पत्रकारिता : आधुनिक संदर्भ : प्रो. देवप्रकाष मिश्र

स्नातकोत्तर अष्ट्म सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 804
हिन्दी नाटक एवं एकांकी

प्रथम इकाई

भारतीय नाट्य लेखन की परम्परा : संस्कृत, बांग्ला, मराठी एवं हिन्दी नाट्य लेखन।
भारतेंदु युगः अनूदित एवं मौलिक नाटक
प्रसादयुगीन नाटककार : ऐतिहासिक–सामाजिक नाटक और स्वाधीनता आन्दोलन।
प्रसाद की नाट्य कला एवं रंगमंच की समस्या।

द्वितीय इकाई

प्रसादोत्तर हिन्दी नाटकों में युद्ध एवं शांति की समस्या।
हिन्दी एकाकी का सूत्रपात एवं विकास।
स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक : राजनीति एवं सामाजिक समस्याएँ।

पाठः

तृतीय इकाई

नाटकः

भारत–दुर्दषा : भारतेन्दु हरिष्चंद्र
अंधेर नगरी : भारतेन्दु हरिष्चंद्र

ध्रुवस्वामिनी : जयषंकर प्रसाद
चन्द्रगुप्त : जयषंकर प्रसाद

आषाढ़ का एक दिन : मोहन राकेष
आधे अधूरे : मोहन राकेष

अंधा युग : धर्मवीर भारती

चतुर्थ इकाई

एकांकी :

भोर का तारा : जगदीष चंद्र माथुर
अंडे के छिलके : मोहन राकेष

- **सहायक ग्रंथ :**

1. परम्पराषील नाट्य : जगदीषचंद्र माथुर
2. पारसी हिन्दी रंगमंच : लक्ष्मीनारायण, लाल
3. समकालीन हिन्दी नाटक एवं रंगमंच : जयदेव तनेजा
4. नाट्यालोचन के सिद्धांत : सिद्धनाथ कुमार
5. हिन्दी नाटक : उद्भव एवं विकास : दषरथ ओझा

6. आधुनिक हिन्दी नाटक एवं रंगमंच : नेमिचंद्र जैन

स्नातकोत्तर नवम् सेमेस्टर/पाठयक्रम संख्या : 901

भक्ति काव्य

प्रथम इकाई

भक्ति काव्य : ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं दार्षनिक आधार।
विभिन्न मत, विषेषताएँ
सगुण काव्य एवं निर्गुण काव्य में साम्य एवं वैषम्य
अष्ठछाप, कृष्ण काव्यधारा एवं राम काव्यधारा की परम्परा।

द्वितीय इकाई

मलिक मुहम्मद जायसी : पद्मावत् (नागमती वियोग खण्ड)
सम्पादक – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
कबीर : दोहा संख्या 160 - 209कबीर- वेदीहजारी प्रसाद द्वि सं))

तृतीय इकाई

सूरदास : भ्रमरगीतसार (संपादक – आचार्य रामचंद्र शुक्ल)

पद सं - 21-70

तुलसीदास : रामचरितमानस (गीता प्रेस, गोरखपुर)
उत्तरकाण्ड (सम्पूर्ण)

चतुर्थ इकाई

मीराबाई : मीरा का काव्य (सं.–विष्वनाथ त्रिपाठी)
मनथे परस हरि के चरण, जनक हरि, अलि रे मेरे णैणा बाण पणी, मा. गिरधर आगा नाच्यां री, मारा री गिरधर गोपाल, माई सांवरे रंग रांची, मैं गिरधर के घर जाउॅ, माई री महा लिया गोविंदा मोल, ये मत बरजा माई री।

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. भक्ति आन्दोलन और सूर का काव्य : मैनेजर पाण्डेय
2. लोकवादी तुलसीदास : विष्वनाथ त्रिपाठी
3. तुलसी के हिय हेरि : विष्णुकान्त शास्त्री
4. लोक जागरण और हिन्ही साहित्य : रामविलास शर्मा
5. भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य : षिवकुमार मिश्र
6. मध्यकालीन बोध और साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. तुलसी काव्य–मीमांसा ' : डा. उदयभानु सिंह
8. Medival India : The study of Civilization : इरफान हबीब
9. मध्यकालीन भारत का इतिहास : सतीष चंद्रा

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका : डा. राममूर्ति त्रिपाठी
3. पृथ्वीराज रासों : नामवर सिंह
4. जायसी : विजयदेव नारायण साही
5. संत काव्य : परषुराम चतुर्वेदी
6. दूसरी परम्परा की खोज : नामवर सिंह
7. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी
8. रहस्यवाद : राममूर्ति त्रिपाठी
9. अकथ कहानी प्रेम की : पुरुषोत्तम अग्रवाल
10. मसि कागद् छुयौ नहिं : **कबीर** : देवप्रकाष मिश्र

स्नातकोत्तर नवम् सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 902
(अस्मिता, साहित्य और संस्कृति)

प्रथम इकाई

भारतीय अवधारणाएँ : धर्म और संस्कृति, जाति और अस्मिता
प्राच्यवादी दृष्टि एवं उत्तर औपनिवेषिक दृष्टि
अस्मिता की अवधारणाएँ और सिद्धांत
स्मृति, इतिहास, सत्ता, धर्म और अस्मिता
अस्मिता और राष्ट्र

द्वितीय इकाई

भूमंडलीकरण और मीडिया के दौर में संस्कृति एवं अस्मिता के प्रष्न
उपभोक्ता संस्कृति के रूप और अवधारणा
व्यक्ति अस्मिता और सामूहिक अस्मिता
हाषिए की अस्मिता
अल्पसंख्यक अस्मिता

तृतीय इकाई

जेंडर की अवधारणा, वर्चस्व और अस्वीकार के मुद्दे
विमर्ष का निर्माण
जेंडर, भाषा और साहित्य

चतुर्थ इकाई

अम्बेडकर और उत्तर अम्बेडकर विचार तथा दलित अस्मिता के प्रष्न
संस्कृति की विकास–प्रक्रिया : दलित एवं स्त्री अस्मिता

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. संस्कृति के चार अध्याय : रामधारी सिंह दिनकर
2. स्त्री उपेक्षिता : सीमोन द बोउवा
3. दलित साहित्य का सौंदर्यषास्त्र : ओमप्रकाष वाल्मीक
4. भूमंडलीकरण के दौर में : अभय कुमार वाल्मीक
5. भारतीय चिंतन परम्परा : के. दामोदरन
6. Post Colonialism : लीला गांधी
7. संस्कृति उद्योग : थियोडोर एडोर्नो
8. अपना कमरा : वर्जीनिया वुल्फ
9. श्रृंखला की कड़ियॉ : महादेवी वर्मा
10. सीमंतनी उपदेष : अज्ञात हिन्दू महिला (सं.–धर्मवीर)
11. Culture and Society : रैमण्ड विलियमस
12. स्त्री पुरूष तुलना : तारा बाई षिन्दे

स्नातकोत्तर नवम् सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 903
भारतीय काव्यषास्त्र

प्रथम इकाई

संस्कृत काव्यषास्त्र की परम्परा एवं भरत का नाट्यषास्त्र : साहित्य चिंतन का वैचारिक परिप्रेक्ष्य।

काव्य–लक्षण : (भामह,मम्मट,विश्वनाथ,जगन्नाथ)

काव्य–प्रयोजन, काव्य हेतु, काव्य–गुण एवं काव्य–दोष

शब्द शक्ति : अभिधा, लक्षणा, व्यंजना

द्वितीय इकाई

भरतमुनि का रस – सिद्धांत एवं व्याख्याकर।

साधारणीकरण : सहृदय की अवधारणा, सम्प्रेषण एवं रस की अवस्थिति व निर्धारण की समस्या।

तृतीय इकाई

अलंकार सिद्धांत : अंलकार का महत्व, प्रमुख आचार्यों के मत।

प्रमुख अलंकार : यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा,रूपक, उत्प्रेक्षा,संदेह, भ्रांतिमान, अतिशयोक्ति, अन्योक्ति, समासोक्ति, अत्युक्ति, विशेषोक्ति, दृष्टांत, उदाहरण,प्रतिवस्तूपमा, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, विभावना,असंगति तथा विरोधाभास

ध्वनि सिद्धांत : दार्षनिक आधार, आधुनिक स्वरूप।

चतुर्थ इकाई

रीति, वक्रोक्ति एवं औचित्य सिद्धांत का साहित्यिक महत्व।

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. संस्कृत काव्यषास्त्र : बलदेव उपाध्याय
2. भारतीय एवं पाष्चात्य काव्यषास्त्र : गणपति चंद्र गुप्त
3. काव्यषास्त्र : भगीरथ मिश्र
4. रस–मीमांसा : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
5. रस–सिद्धांत : डा. नगेंद्र
6. समीक्षा सिद्धांत : राम अवध द्विवेदी

स्नातकोत्तर नवम् सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 904
आधुनिक भारतीय साहित्य

प्रथम इकाई

भारतीयता की अवधारणा : इतिहास एवं परम्परा, बहुभाषिकता एवं बहु सांस्कृतिकता।
राष्ट्रवाद का उदय और भारतीय साहित्य।

द्वितीय इकाई

स्वाधीनता संग्राम में भारतीय साहित्य की भूमिका।
अन्य भारतीय भाषाओं एवं हिन्दी का अन्तर्सम्बन्ध।

पाठः

तृतीय इकाई

संस्कार : यू. आर. अनंतमूर्ति
माटी मटाल : गोपीनाथ मोहंती
आग का दरिया : कुर्रुतुल एन. हैदर
गोरा : रवीन्द्रनाथ

चतुर्थ इकाई

अक्करमाषी : शरण कुमार लिम्बाले
तुगलक : गिरीष कर्नाड
रवीन्द्रनाथ की कविताएँ (चयनित) : (संपादन एवं अनुवाद : हजारी प्रसाद द्विवेदी) निर्झर का स्वप्न भंग, प्राण, अभिसार, मुक्ति, त्राण, भारत तीर्थ, बन्दी, अपमानित, धूल मंदिर.

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. संस्कृति के चार अध्याय : रामधारी सिंह दिनकर
2. भारतीय राष्ट्र के उदय की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : ए आर देसाई
3. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास : डा. नगेंद्र
4. राष्ट्रवाद : रवीन्द्रनाथ टैगोर
5. भारतीय चिंतन परम्परा : के. दामोदरन
6. समकालीन भारतीय साहित्य पत्रिका (साहित्य अकादमी की फाइलें)

स्नातकोत्तर दषम् सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्याः1001
रीतिकाव्य

प्रथम इकाई

रीतिकाव्य के मूल स्रोत

रीतिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक पृष्ठभूमि
दरबारी संस्कृति और रीति–काव्य एवं लोक जीवन
लक्षण–ग्रन्थ परम्परा, अधिकार–भेद, अलंकार–निरूपण, बहुज्ञता एवं पाण्डित्य प्रदर्षन

द्वितीय इकाई

रीतिकालीन भक्ति काव्य

रीतिकाव्य की विविध धाराएँ एवं रचनाकार – केशव, मतिराम, भूषण, बिहारी, घनानन्द,देव, पद्माकर

पाठः

तृतीय इकाई

केषवदास : रामचंद्रिका (संपादन :लाला भगवानदीन)
ग्यारवॉ प्रकाष (1–30)
बारहवॉ प्रकाष (1–30)
आचार्यत्व, काव्य दृष्टि और संवाद योजना

बिहारी : संपादक : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
दोहा संख्या–1,2,3,4,5,6,9,11,13,18,19,20,26,27,30,31,32,
सौंदर्य भावना, बहुज्ञता, काव्यकला

चतुर्थ इकाई

घनानंद :संपादक : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
पद –1,2,3,4,5,6,7,8,10,11,12,13,14,15,16,17,20,26,28,
स्वच्छंद प्रेम योजना, प्रेम व्यंजना,काव्य दृष्टि

जगन्नाथ दास रत्नाकर : उद्धव षतक
मंगलाचरण, 1,2,3,20,26,28,31,34,35,37,40,45,46,67,
भूषण : शिवराज भूषण

युगबोध , अंतर्वस्तु, काव्यकला

सहायक ग्रंथ :

1. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ. नगेंद्र

2. घनानंद का काव्य : रामदेव षुक्ल
3. बिहारी–रत्नाकर : जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'
4. केषव का काव्य : विजयपाल सिंह
5. बिहारी का नया मूल्यांकन : बच्चन सिंह
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र षुक्ल

स्नातकोत्तर दषम सेमेस्टर
पाठयक्रम संख्या :1002
पाष्चात्य काव्यषास्त्र

प्रथम इकाई

पाष्चात्य साहित्य चिंतन की परम्परा ,काव्य एवं कला संबंधी पाष्चात्य दृष्टिकोण,
पाष्चात्य साहित्य चिंतन पर विविध अनुषासनों का प्रभाव।

द्वितीय इकाई

प्लेटो :अनुकरण और आदर्ष राज्य की परिकल्पना।
अरस्तू : अनुकरण ,विरेचन और त्रासदी का सिद्धांत।
लौंजाइनस :काव्य में उदात की अवधारणा

तृतीय इकाई

षास्त्रीयतावाद

वर्ड्सवर्थ : स्वच्छंदता एवं वर्ड्सवर्थ की काव्य तथा काव्य–भाषा संबंधी अवधारणा
कॉलरिज : काव्य–भाषा ,कल्पना,रम्य कल्पना
मैथ्यू अर्नाल्ड की साहित्यिक मान्यताएँ
टी.एसःइलियटःनिर्वैयक्तिकता,परम्परा एवं वैयक्तिक प्रज्ञा,वस्तुनिष्ठ सह –सम्बंध

चतुर्थ इकाई

आई.ए.रिचर्डस :मूल्य सिद्धांत ,सम्प्रेषण सिद्धांत क्रोंचे का **अभिव्यंजनावाद**

नई समीक्षा ,मार्क्सवाद ,नव –मार्क्सवाद ,रूपवाद अस्तित्ववाद **मिथक, फैंटेसी ,कल्पना, प्रतीक, बिम्ब**

समकालीन आलोचना की कतिपय अवधारणाएं - विडम्बना, अजनबीपन,विसंगति, अंतर्विरोध, विखंडन

- **सहायक ग्रंथ**

1. पाष्चात्य काव्यषास्त्र : देवेंद्रनाथ षर्मा
2. भारतीय एवं पाष्चात्य काव्यषास्त्र : गणपति चंद्र गुप्त
3. पाष्चात्य साहित्य चिंतन : निर्मला जैन
4. हिन्दी आलोचना के बीज षब्द : बच्चन सिंह
5. यथार्थवाद : षिवकुमार मिश्र
6. भारतीय एवं पाष्चात्य साहित्य सिद्धांत : रामचंद्र तिवारी

स्नातकोत्तर दषम् सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या :1003
हिन्दी आलोचना

प्रथम इकाई

हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास

शुक्लपूर्व आलोचनाः भारतेंदु हरिष्चंद्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्र बंधु, पद्मसिंह शर्मा

द्वितीय इकाई

आचार्य रामचंद्र शुक्ल : रस दृष्टि तथा लोकमंगल की अवधारणा

नंददुलारे बाजपेयी : सौष्ठववादी आलोचना

शांतिप्रिय द्विवेदी

हजारी प्रसाद द्विवेदी, विष्वनाथ प्रसाद मिश्र

तृतीय इकाई

नलिन विलोचन शर्मा, नगेन्द्र

रामविलास शर्मा : मार्क्सवादी आलोचना

नामवर सिंह

मलयज

चतुर्थ इकाई

रचनाकार आलोचकः प्रेमचंद, निराला, प्रसाद,पन्त,अज्ञेय, मुक्तिबोध, विजयदेव नारायण साही

- **सहायक ग्रन्थ:**

1. हिन्दी आलोचना : विष्वनाथ त्रिपाठी
2. चिंतामणि : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
3. एक साहित्यिक की डायरी : मुक्तिबोध
4. रचना और आलोचना : देवीषंकर अवस्थी
5. आलोचना और आलोचना : देंवीषंकर अवस्थी
6. इतिहास आरैर आलोचना : नामवर सिंह
7. हिन्दी आलोचना : बीसवीं शताब्दी : नंददुलारे बाजपेयी
8. नया साहित्य : नये प्रष्न : नंददुलारे बाजपेयी
9. रामचंद्र शुक्ल : मलयज
10. वाद–विवाद–संवाद : नामवर सिंह
11. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह
12. आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पाण्डेय
13. छठवॉ–दषक : विजयदेव नारायण साही
14. हिन्दी साहित्य के अस्सी बरस : षिवदान सिंह चौहान

स्नातकोत्तर दषम् सेमेस्टर(1004)

- दषम् सेमेस्टर के अन्तर्गत चतुर्थ प्रष्न पत्र (कोड – 1004) में विद्यार्थी किसी एक विकल्प का चयन करेगा।

पाठ्यक्रम संख्याः1004.1
वैकल्पिक प्रष्नपत्र–(रंगमंच एवं लोक–साहित्य)

प्रथम इकाई

लोक साहित्य की अवधारणा, लोक साहित्य का जीवन-दर्षन, लोक की नृतत्वषास्त्रीय, लोक मनोवैज्ञानिक एवं समाजषास्त्रीय व्याख्या.
लोकभाषा, परिनिष्ठित भाषा, मानक भाषा की प्रकृति, हिन्दी की ग्रामीण शैलियॉ एवं उनका भाषिक वैषिष्ट्य.

द्वितीय इकाई

हिन्दी में लोक साहित्य का इतिहास, मिथक और लोक–साहित्य, लोक साहित्य के विविध रूप : लोकगीत, देवीगीत, जन्म एवं मृत्यु संबंधी गीत, विवाह गीत, ऋतु गीत, श्रम गीत
लोक साहित्य और रंगमंच का सम्बन्ध, लोक नाट्य परम्परा और पारसी रंगमंच

तृतीय इकाई

विविध नाट्यरूप : (क) श्रव्य : लोकगाथा, लोक आख्यान, पंडवानी, आल्हा, चनैनी
ख. दृष्य : रामलीला, रासलीला, नौटंकी, लावनी, प्रहसन, बिदेसिया, नाचा, खयाल, बारहमासा, नात, चारबैत, कव्वाली.

चतुर्थ इकाई

पाठः

बिदेसिया : भिखारी ठाकुर
लोहा सिंह : रामेष्वर सिंह
औरत : सफदर हाषमी
चरनदास चोर : हवीब तनवीर

- आधारभूत संरचना उपलब्ध होने की स्थिति में में प्रस्तुत पाठ्यक्रम के सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक (प्रदर्षन) दोनों माध्यमों में अध्ययन कराया जाएगा.
- **सहायक ग्रन्थ :**

1. लोक साहित्य के प्रतिमान : डा. कुंदन लाल उप्रेती
2. लोक साहित्य की सांस्कृतिक परम्परा : मनोहर शर्मा
3. भारतीय लोक साहित्य : श्याम परमार
4. लोक –साहित्य की भूमिका : धीरेंद्र वर्मा
5. लोक–साहित्य विज्ञान : डा. सत्येंद्र
6. लोक का आलोक : सं.–पीयूष दहिया

7. परम्पराषील लोक नाट्य : जगदीष चंद्र माथुर
8. Tradition of Indian Folk-dance : कपिला वात्स्यायन
9. Folk-culture in India : एस.पी. पाण्डे, अवधेष कुमार सिंह
10. Theory and history of folk-lore : ब्लादिमिर प्रोष
11. Mirrors of Indian culture : कृष्णमूर्ति

स्नातकोत्तर दषम् सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 1004.2
अनुवाद अध्ययन

प्रथम इकाई

प्राचीन परम्परा, इतिहास और पृष्ठभूमि, अनुवाद अध्ययन का इतिहास, अनुवाद की सामाजिक–सांस्कृतिक भूमिका. अनुवाद क्रियाएँ और महत्वपूर्ण अवधारणाएँ

द्वितीय इकाई

भूमंडलीकरण के दौर में अनुवाद, उपलब्ध रूप, द्विभाषिकता, बहु–भाषिकता और अनुवाद

मीडिया क्षेत्र में विषेषीकृत एवं साहित्यिक अनुवाद.

तृतीय इकाई

आधुनिक प्रख्यात अनुवाद कर्म : अनुवाद प्रक्रिया, भााषिक विष्लेषण, अंतरण और पुनर्गठन, रूपांतरण और मिश्रण के नए रूप. दुभाषिया कर्म, आषु अनुवाद, यांत्रिक अनुवाद, कम्प्यूटर अनुवाद

चतुर्थ इकाई

स्त्रोत और लक्ष्य भाषा की अवधारणा

पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया एवं समस्याएँ।

अनुवाद व्यवहार : **अँग्रेजी से हिन्दी एवं हिन्दी से अँग्रेजी गद्यानुवाद**

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. अनुवाद विज्ञान : डा. नगेंद्र
2. अनुवाद विज्ञान : गार्गी गुप्ता
3. अनुवाद विज्ञानःसिद्धांत सिद्धि : अवधेष मोहन गुप्त
4. अनुवाद कला : डा. एन. ई. विष्वनाथ अय्यर
5. अनुवाद का भाषिक सिद्धांत : जे. सी. कैटफोर्ड
6. वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ : डा. भोलानाथ तिवारी
7. अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ : श्री गोपीनाथन
8. अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ : डा. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
9. पष्चिम में अनुवाद कला के मूल स्त्रोत : डा. गार्गी गुप्ता, विष्वनाथ गुप्त

स्नातकोत्तर दषम् सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 1004.3
हिन्दी और जनसंचार माध्यम

प्रथम इकाई

जनसंचार के तत्व : तकनीक का विकास, जनसंचार की प्रमुख अवधारणाएँ : एडोर्ना, मैक्लूहन, रेमंड विलियम्स, बोर्दियू. जौन फिस्के, सारा मिल्स.

भारत में संचार माध्यमों का विकास : प्रिंट, रेडियों, टी.वी., इंटरनेट

द्वितीय इकाई

भूमंडलीकरण और व्यावसायिकता : साइबर स्पेस और जनंसचार

समाचार लेखन : विविध रूप, फीचर, अग्रलेख, साक्षात्कार, कॉलम लेखन, व्यावसायिक सामग्री लेखन, विज्ञापन लेखन, कहानी, पटकथा, माध्यम समीक्षा

तृतीय इकाई

मीडिया अध्ययन की प्रविधियॉ : संरचनावादी, उत्तर संरचनावादी प्रविधि, चिह्नषास्त्रीय प्रविधि

जनसंचार आर्थिकी : प्रिंट की आर्थिकी, प्रसारण संख्या

चतुर्थ इकाई

माध्यमों के स्वामित्व का रूप, क्रॉस ऑनरषिप कन्वर्जेस

एफ. डी. आई का प्रवेष

विज्ञापन और जनसंपर्क

प्रसारण प्रक्रिया : मार्केटिंग विभाग के प्रकार्य

- **सहायक ग्रन्थ** :

1. हिन्दी पत्रकारिता : कृष्णबिहारी मिश्र
2. संस्कृति विकास और संचार क्रांति : पी.सी. जोषी
3. संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र : रेमण्ड विलियम्स
4. भारतीय समाचार पत्रों का इतिहास : जेफ्री रोबिन्स
5. सक्षात्कार : सिद्धांत और व्यवहार : रामषरण जोषी
6. पटकथा लेखन : मनोहर श्याम जोषी
7. पटकथा लेखन : मन्नू भंडारी

पाठ्यक्रम प्रस्तावना :

एम. ए. (हिन्दी साहित्य एवं अनुवाद विज्ञान)

हिन्दी साहित्य एवं अनुवाद विज्ञान का पाठ्यक्रम हिन्दी साहित्य के विविध प्रचलित एवं नवीन पक्षों के वस्तुगत एवं व्यापक अध्ययन के साध–साथ आधुनिक वर्तमान समय में अनुवाद के महत्व को ध्यान में रखते हुए निर्धारित किया गया है। यह पाठ्यक्रम चार सेमेस्टर में विभाजित है। जिसके अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर में चार प्रष्नपत्र होगें द्वितीय सेमेस्टर एवं चतुर्थ सेमेस्टर के अन्तर्गत साहित्य के विविध दृष्टिकोणों एवं परिचित कराने एवं समकालीन साहित्य के विभिन्न बिंदुओं को साहित्य का अंग बनाने के साथ वर्तमान समय में अनुवाद के निरन्तर बढ़ते महत्व को भी ध्यान में रख कर वैकल्पिक प्रष्नपत्र आरम्भ किए गए हैं। वैकल्पिक प्रष्नपत्रों के अन्तर्गत साहित्य के नवीन दृष्टिकोणों एवं अंतर्विषयक पक्ष को दृष्टिगत रखते हुए समकालीन साहित्यिक विमर्षों यथाः स्त्री, दलित विमर्ष एवं भारतीय भाषाओं के साहित्य की प्रमुख कृतियों एवं कृतिकारों को सम्मिलित किया गया हैं साथ ही, समयानुरूप रोजगारपूरक दृष्टि से एम. ए. के विद्यार्थियों को सषक्त बनाने एवं अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराने के उद्देष्य के अनुवाद विज्ञान के सैद्धांतिक व व्यावहारिक प्रष्नपत्र भी सम्मिलित किए गए हैं।

इस रूप में हिन्दी साहित्य एवं अनुवाद विज्ञान में एम. ए. का पाठ्यक्रम ज्ञान एवं कौषल के समन्वित उद्देष्य को अपनाते हुए आधुनिक समय में उच्च षिक्षा के क्षेत्र में रोजगार के साथ–साथ अनुवाद के क्षेंत्र में भी विभिन्न स्तरों पर कई प्रकार के अवसर उपलब्ध कराने में विद्यार्थियों के लिए उपयोगी पाठ्यक्रम के रूप में महत्वपूर्ण है। प्रस्तावित पाठ्यक्रम के प्रष्नपत्रों का विवरण एवं अंक योजना इस प्रकार है–

- **परीक्षा प्रणाली एवं अंक योजना विश्वविद्यालय नियमानुसार होगी.**

<u>प्रष्नपत्र विवरण : एम. ए. – प्रथम सेमेस्टर</u>

प्रष्नपत्र कोड – 101 – छायावादी काव्य

102 – कथेतर गद्य विधाएं

103 – भाषा विज्ञान

104 – हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल)

एम. ए.–द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड 201 – छायावादोत्तर काव्य

202 – कथा – साहित्य

203 – हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

204 – अनुवाद अध्ययन

एम. ए.–तृतीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड 301 – भक्ति काव्य

302 – जनसंचार माध्यम

303 – भारतीय काव्यषास्त्र

304 – आधुनिक भारतीय साहित्य

एम. ए.–चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र कोड 401 – रीतिकाव्य

402 – पाष्चात्य काव्यषास्त्र

403 – हिन्दी आलोचना

404 – **(वैकल्पिक प्रष्नपत्र)**

404.1 – रंगमंच एवं लोक – साहित्य

404.2 – समकालीन साहित्यिक विमर्ष

404.3 – अस्मिता साहित्य और संस्कृति

404.4 – प्राचीन काव्य

चतुर्थ सेमेस्टर के अन्तर्गत चतुंर्थ प्रष्नपत्र (कोड – 404) में विद्यार्थी किसी एक विकल्प का चयन करेगा।

स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या–101
छायावादी काव्य :

प्रथम इकाई

स्वच्छन्दतावादी काव्यधारा एवं छायावाद
छायावाद : परिभाषा, नामकरण, काल–निर्धारण।
छायावाद युगीन राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवेष।
स्वाधीनता आन्दोलन और छायावादी कविता, रहस्यवाद बनाम छायावाद।

द्वितीय इकाई

छायावाद की दार्षनिक पृष्ठभूमि : रॉमैण्टिसिज्म एवं बांग्ला कविता, रहस्यवाद एवं नवरहस्यवाद, वेदान्त, नवमानवतावाद, अरविंद दर्षन, गांधीवाद, आधुनिकता एवं मार्क्सवाद का प्रभाव।

तृतीय इकाई

छायावादी कवियों का संस्कृति, प्रकृति और स्त्री विषयक चिन्तन।
काव्यभाषा एवं छंद विधान, ब्रजभाषा और खड़ी बोली का द्वंद्व, पल्लव की भूमिका।
मुक्त छन्द, प्रगीत तथा लम्बी कविता की अवधारणा।

चतुर्थ इकाई

पाठ :

जयषंकर प्रसाद	: कामायनी -श्रद्धा और इडा
सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला	: सरोज–स्मृति, राम की शक्ति–पूजा,कुकुरमुत्ता, बादल राग
सुमित्रानंदन पन्त	: परिवर्तन, नौका विहार, अनामिका के कवि के प्रति
महादेवी वर्मा	: फिर पूजा क्या अर्चन रे, पंथ रहने दो अपरिचित, बीन भी हूँ मै, यह मंदिर का दीप।

- **सहायक ग्रन्थः**

11. छायावाद	: नामवर सिंह
12. छायावाद का पतन	: देवराज
13. छायावाद और नवजागरण	: महेंद्रनाथ राय
14. निराला की साहित्य साधना	: रामविलास शर्मा
15. निराला – आत्महन्ता आस्था	: दूधनाथ सिंह
16. कामायनी : एक पुनर्विचार	: मुक्तिबोध
17. महादेवी वर्मा	: दूधनाथ सिंह
18. पंत और पल्लव	: सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
19. रहस्यवाद का समाजषास्त्र	: देवप्रकाष मिश्र
20. काव्यकला एवं अन्य निबन्ध	: जयषंकर प्रसाद

स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 102
कथेतर गद्य विधाएँ

प्रथम इकाई

हिन्दी गद्य की निर्माण–भूमिः फोर्ट विलियम कॉलेज

भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्यः गिलक्राइस्ट, सदल मिश्र, इंषाअल्ला खॉ, सदासुख लाल, षिवप्रसाद सितारेहिन्द, एवं राजा लक्ष्मण सिंह का योगदान।

द्वितीय इकाई

भारतेन्दु युगः आधुनिकता और हिन्दी गद्य का अन्तर्सम्बन्ध, गद्य की भाषा, खडी बोली की निर्माण–भूमि।

हिन्दी गद्य के विकास में द्विवेदी युग का महत्व।

रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, रिपोर्ताज, व्यंग्य एवं निबंध का उद्भव और विकास।

प्रमुख निबंधकार : रामचन्द्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, कुबेरनाथ राय, हरिशंकर परसाई

पाठ :

तृतीय इकाई

निबंध :

कविता क्या है	: रामचंद्र शुक्ल
अषोक के फूल	: हजारी प्रसाद द्विवेदी
व्यापकता और गहराई	: नामवर सिंह
संस्कृति का शेषनाग	: कुबेरनाथ राय
पगडंडियों का जमाना है	: हरिशंकर परसाई

चतुर्थ इकाई

यात्रावृत्तांत :

अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा : राहुल सांकृत्यायन

संस्मरण :

सत्य के प्रयोग : महात्मा गांधी

आत्मकथा :

आत्मकथा (मेरी कहानियाँ) : जवाहर लाल नेहरू

- **सहायक ग्रन्थ :**

9. गद्य साहित्य का इतिहास	: रामचंद्र तिवारी
10. हिन्दी साहित्य और संवदना का विकास	: रामस्वरूप चतुर्वेदी
11. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास	: बच्चन सिंह
12. भारतेंदु युग और हिन्दी गद्य की विकास–परम्परा	: रामविलास शर्मा
13. भारतेंदु युग	: रामविलास शर्मा
14. समाजिक क्रान्ति के दस्तावेज	: संपादक : शंभुनाथ
15. रस्साकषी	: वीर भारत तलवार
हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास	: विष्वनाथ त्रिपाठी

स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 103
(भाषा विज्ञान)

प्रथम इकाई

अपभ्रंश (अवहट्ट सहित) और पुरानी हिन्दी का संबंध, काव्यभाषा के रूप मे अवधी का उदय और विकास, काव्यभाषा के रूप मे ब्रजभाषा का विकास, साहित्यिक हिन्दी के रूप मे खड़ी बोली का उदय और विकास , मानक हिन्दी का भाषावैज्ञानिक विवरण (रूपगत), हिन्दी की बोलियाँ - वर्गीकरण तथा क्षेत्र , नागरी लिपि का विकास और उसका मानकीकरण

द्वितीय इकाई

ध्वनि संरचना : हिन्दी की स्वर तथा व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण, महाप्राण व्यंजन ध्वनियॉ, नासिक्य, अनुस्वार और अनुनासिकता, स्वनिम व्यस्था

तृतीय इकाई

रूप संरचना : रूपिम की संकल्पना, शब्द और अर्थ का संबंध, शब्द निर्माण की आवष्यकता और प्रक्रिया, शब्द के प्रकार, शब्द वर्ग, पद की संकल्पना

चतुर्थ इकाई

वाक्य संरचना : वाक्य का स्वरूप, वाक्य के प्रकार, प्रोक्ति का स्वरूप एवं विष्लेषण
अर्थ–संरचना : अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिषाऍ, अर्थ–विस्तार, अर्थ–संकोच, अर्थादेष, अर्थोत्कर्ष एवं अर्थापकर्ष

- **सहायक ग्रन्थ :**

11. हिन्दी भाषा : हरदेव बाहरी
12. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
13. भाषा–विज्ञान की भूमिका : देवेंद्रनाथ शर्मा
14. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा
15. हिन्दी शब्दानुषासन : किषोरीदास वाजपेयी
16. प्राचीन आर्यभाषा परिवार और हिन्दी : रामविलास शर्मा
17. भारत की भाषा समस्या : रामविलास शर्मा
18. हिन्दी भाषा संरचना के विविध आयाम : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
19. One language tow scripts : क्रिस्टोफर किंग
20. Hindi phonetic Reader : ओंकार एन कौल

पाठ्यक्रम संख्या : 104
हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल)

प्रथम इकाई

साहित्य का इतिहास–दर्षन : गार्सा–द–तासी, जार्ज ग्रियर्सन, षिवसिंह सेंगर, मिश्रबंधु, आचार्य रामचंद्र शुक्ल का इतिहास–दर्षन।

साहित्येतिहास लेखन की प्रमुख पद्धतियॉ, प्रमुख इतिहास ग्रंथ एवं काल–विभाजन का आधार

द्वितीय इकाई

आदिकाल : राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिदृष्य।

नामकरण की समस्या, प्रमुख प्रवृत्तियॉ।

रासो काव्य परम्परा : प्रमुख ग्रन्थ।

पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता, ऐतिहासिकता एवं श्रुति/वाचिक परम्परा

सिद्ध एवं नाथ सम्प्रदाय, विद्यापति, अमीर खुसरो की प्रयोगधर्मिता।

तृतीय इकाई

भक्तिकाल : भक्ति आन्दोलन के उदय की ऐतिहासिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं दर्षनिक पृष्ठभूमि।

लोक–जागरण की अवधारणा और भक्ति काव्य, भक्ति काल के विविध सम्प्रदाय, भक्तियुगीन काव्य धाराऍ

हिन्दी कविता पर इस्लाम का प्रभाव, सूफी काव्य में प्रेम तत्व, कथानक रूढ़ि एवं लोक–तत्व, प्रमुख कवि एवं रचनाओं का परिचय सन्त कवियों का समाज–दर्षन, रहस्यवाद एवं प्रेम तत्व। राम काव्य एवं कृष्ण काव्य परम्परा : लोक–मंगल, लोक–रंजन, अष्टछाप, श्रृंगार एवं भक्ति का द्वंद्व, कृषक संस्कृति।

चतुर्थ इकाई

रीतिकाल : नामकरण की समस्या, विभिन्न काव्यधाराऍ अन्य प्रवृत्तियॉ : वीर काव्य, प्रकृति चित्रण, उपदेषपरकता ओर लोक–काव्य।

- **सहायक ग्रंथ :**

11. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
12. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
13. लोक–जागरण और हिन्दी साहित्य : रामविलास शर्मा
14. भक्ति आन्दोलन और सूर का काव्य : मैनेजर पाण्डे
15. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी
16. त्रिवेणी : रामचंद्र शुक्ल
17. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास : हजारी प्रसाद द्विवेदी
18. रीतिकाव्य की भूमिका : डा. नगेंद्र
19. कबीर : मसि कागद छुयौ नहिं : देव प्रकाष मिश्र
20. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गणपति चन्द्र गुप्त

स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर
पाठ्यकम संख्या : 201
छायावादोत्तर काव्य

प्रथम इकाई

छायावादोत्तर काव्य की राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।

द्वितीय इकाई

छायावादोत्तर कविता में विविध वाद : उत्तर छायावाद, हालावाद, नकेनवाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, अकविता, नवगीत, साठोत्तरी एवं समकालीन कविता.

पाठ :

तृतीय इकाई

उर्वषी (तृतीय सर्ग)	: रामधारी सिंह दिनकर
अंधेरे में	: गजानन माधव मुक्तिबोध
असाध्य वीणा	: अज्ञेय

चतुर्थ इकाई

पटकथा/जनतंत्र का सूर्योदय	: धूमिल
मुक्ति प्रसंग	: राजकमल चौधरी
नाटक जारी है	: लीलाधर जगूड़ी

- **सहायक ग्रन्थ :**

11. कल्पना का उर्वषी विवाद	: सं.– गोपेष्वर सिंह
12. नई कविता और अस्तित्ववाद	: रामविलास शर्मा
13. कविता के नये प्रतिमान	: नामवर सिंह
14. लघुमानव के बहाने हिन्दी कविता पर बहस	: विजयदेव नारायण साही
15. नयी कविता के प्रतिमान	: लक्ष्मीकान्त वर्मा
16. जनवादी समझ और साहित्य	: रामनारायण शुक्ल
17. कविता की संगत	: विजय कुमार
18. समकालीन कविता का व्याकरण	: परमानंद श्रीवास्तव
19. कवि कह गया है	: अषोक वाजपेयी
20. एक साहित्यिक की डायरी	: मुक्तिबोध

स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 202
कथा–साहित्य

प्रथम इकाई

विष्व उपन्यास लेखन एवं हिन्दी उपन्यास लेखन की परम्परा।

हिन्दी उपन्यास की विकास–यात्रा : प्रेमचंद पूर्व उपन्यास,प्रेमचंद और उनका युग, प्रेमचंद के परवर्ती उपन्यासकार (जैनेन्द्र, अज्ञेय, हजारी प्रसाद द्विवेदी, यशपाल, अमृतलाल नागर, फणीशवरनाथ रेणु, भीष्म साहनी, कृष्णा सोबती, निर्मल वर्मा, नरेश मेहता, श्रीलाल शुक्ल, राही मासूम रज़ा, रांगेय राघव, मन्नू भण्डारी)

आख्यान, गल्प, उपदेषात्मकता, जासूसी, तिलिस्मी–ऐयारी, आदर्षोन्मुख–यथार्थवाद, यथार्थवाद, मनोविष्लेषणवाद, आंचलिकता, ऐतिहासिकता एवं संस्कृति बोध।

द्वितीय इकाई

कथा, लोककथा, किस्सा और कहानी

हिन्दी कहानी की विकास–यात्रा, वैचारिक आधार : प्रेमचंद पूर्व एवं प्रेमचंद युग, नयी कहानी, अकहानी, सचेतन कहानी, समांतर कहानी जनवादी कहानी, सक्रिय कहानी, समकालीन कहानी, नवलेखन, लघुकथा।

पाठ :

तृतीय इकाई

उपन्यास	:	गोदान	: प्रेमचंद
		शेखर : एक जीवनी (1)	: अज्ञेय
		मैला ऑचल	: फणीष्वर नाथ 'रेणु'
		बाणभट्ट की आत्मकथा	: हजारी प्रसाद द्विवेदी

चतुर्थ इकाई

कहानी	:	उसने कहा था	: चंद्रधर शर्मा गुलेरी
		गुंडा	: जयषंकर प्रसाद
		तीसरी कसम	: फणीष्वर नाथ 'रेणु'
		परिंदे	: निर्मल वर्मा
		हंसा जाई अकेला	: मार्कण्डेय
		घण्टा	: ज्ञानरंजन
		अपना रास्ता लो बाबा	: काषीनाथ सिंह
		मोहनदास	: उदयप्रकाष

- **सहायक गन्थ :**

15. हिन्दी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय
16. उपन्यास का सिद्धांत : जार्ज लुकाच

17. यथार्थवाद : षिवकुमार मिश्र
18. उपन्यास और लोक जीवन : रॉल्फ फॉक्स
19. उपन्यास का उदय : ऑयन वॉट
20. हिन्दीं उपन्यास : एक अंतर्यात्रा : रामदरष मिश्र
21. हिन्दी उपन्यास पर पाष्चात्य प्रभाव : भारत भूषण अग्रवाल
22. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा
23. आंचलिक्ता, यथार्थवाद और फणीष्वर नाथ रेणु : सुभाष कुमार
24. नई कहानी : प्रकृति और पाठ : सुरेंद्र चौधरी
25. कहानी का रचना–विधान : जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
26. कहानी नई कहानी : नामवर सिंह
27. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति : देवीषंकर अवस्थी
28. समकालीन कहानी की पहचान : नरेंद्र मोहन

स्नाकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 203
हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

प्रथम इकाई

आधुनिकताः अवधारणा, राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक पृष्ठभूमि।
आधुनिक की प्रवृत्तियॉ, आधुनिकता, आधुनिक एव आधुनिकीरण में अंन्तर।
हिन्दी गद्य एवं आधुनिकता का अन्तर्सम्बन्ध।
हिन्दी–उर्दू विवाद : खड़ी बोली की निर्माण भूमि।

द्वितीय इकाई

पुनर्जागरण की संकल्पना और भारतीय नवजागरण : वैचारिक परिप्रेक्ष्य।
हिन्दी नवजागरण की अवधारणा और हिन्दी जाति का स्वरूप।
हिन्दी पत्रकारिता की विकास यात्रा : हिन्दी की जातीय चेतना के निर्माण में पत्रकारिता की भूमिका।

तृतीय इकाई

भारतेंदुयुगीन साहित्यिक प्रवृत्तियॉ एवं भारतेंदु मण्डल, विभिन्न गद्य विधाओं का विकास।
द्विवेदी युगः ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक परिस्थितियॉ
हिन्दी नवजागरण और सरस्वती पत्रिका

मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा

चतुर्थ इकाई

खड़ी बोली में कविता का आंरभिक स्वरूप एवं स्वच्छंदतावादी काव्यधारा

छायावाद और उसके बाद : छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, छायावाद के प्रमुख कवि : प्रसाद, निराला, पंत, महादेवी

उत्तरछायावादी काव्य और उसके प्रमुख कवि

मार्क्सवाद एवं नवमार्क्सवाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता की प्रवृत्तिगत विषेषताऍ।

समकालीन साहित्यिक परिदृष्य का परिचयात्मक अध्ययन। समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता

- **सहायक ग्रन्थ :**

13. गद्य साहित्य का इतिहास : रामचंद्र तिवारी
14. रस्साकषी : वीर भारत तलवार
15. भारतेंदु युग और हिन्दी गद्य की विकास परम्परा : रामविलास शर्मा
16. हिन्दी पत्रकारिता : कृष्णबिहारी मिश्र
17. भारतेंदु हरिष्चंद्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याऍ : रामविलास शर्मा

18. 1857 और हिन्दी नवजागरण : प्रदीप सक्सेना
19. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा
20. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियॉ : नामावर सिंह
21. हिन्दी आलोचना : विष्वनाथ त्रिपाठी
22. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : बच्चन सिंह
23. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह
24. हिन्दी पत्रकारिता : आधुनिक संदर्भ : प्रो. देवप्रकाष मिश्र

स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 204
अनुवाद अध्ययन

प्रथम इकाई

प्राचीन परम्परा, इतिहास और पृष्ठभूमि, अनुवाद अध्ययन का इतिहास, अनुवाद की सामाजिक–सांस्कृतिक भूमिका. अनुवाद क्रियाएँ और महत्वपूर्ण अवधारणाएँ

द्वितीय इकाई

भूमंडलीकरण के दौर में अनुवाद, उपलब्ध रूप, द्विभाषिकता, बहु–भाषिकता और अनुवाद

मीडिया क्षेत्र में विषेषीकृत एवं साहित्यिक अनुवाद.

तृतीय इकाई

आधुनिक प्रख्यात अनुवाद कर्म : अनुवाद प्रक्रिया, भााषिक विष्लेषण, अंतरण और पुनर्गठन, रूपांतरण और मिश्रण के नए रूप. दुभाषिया कर्म, आषु अनुवाद, यांत्रिक अनुवाद, कम्प्यूटर अनुवाद

चतुर्थ इकाई

स्त्रोत और लक्ष्य भाषा की अवधारणा

पारिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया एवं समस्याएँ।

अनुवाद व्यवहार : **अँग्रेजी से हिन्दी एवं हिन्दी से अँग्रेजी गद्यानुवाद**

- **सहायक ग्रन्थ :**

10. अनुवाद विज्ञान : डा. नगेंद्र
11. अनुवाद विज्ञान : गार्गी गुप्ता
12. अनुवाद विज्ञानःसिद्धांत सिद्धि : अवधेष मोहन गुप्त
13. अनुवाद कला : डा. एन. ई. विष्वनाथ अय्यर
14. अनुवाद का भाषिक सिद्धांत : जे. सी. कैटफोर्ड
15. वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ : डा. भोलानाथ तिवारी
16. अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ : श्री गोपीनाथन
17. अनुवाद : सिद्धांत और समस्याएँ : डा. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
18. पष्चिम में अनुवाद कला के मूल स्त्रोत : डा. गार्गी गुप्ता, विष्वनाथ गुप्त

स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर
पाठयक्रम संख्या : 301
भक्ति काव्य

प्रथम इकाई

भक्ति काव्य : ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं दार्षनिक आधार।
विभिन्न मत, विषेषताएँ
सगुण काव्य एवं निर्गुण काव्य में साम्य एवं वैषम्य
अष्ठछाप, कृष्ण काव्यधारा एवं राम काव्यधारा की परम्परा।

द्वितीय इकाई

मलिक मुहम्मद जायसी : पद्मावत् (नागमती वियोग खण्ड)
सम्पादक – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
कबीर : दोहा संख्या 160 - 209 (कबीर (सं- हजारी प्रसाद द्विवेदी)

तृतीय इकाई

सूरदास : भ्रमरगीतसार (संपादक – आचार्य रामचंद्र शुक्ल)
पद सं. – 21 - 70
तुलसीदास : रामचरितमानस (गीता प्रेस, गोरखपुर)
उत्तरकाण्ड (सम्पूर्ण)

चतुर्थ इकाई

मीराबाई : मीरा का काव्य (सं.–विष्वनाथ त्रिपाठी)
मनथे परस हरि के चरण, जनक हरि, अलि रे मेरे णैणा बाण पणी, मा. गिरधर आगा नाच्यां री, मारा री गिरधर गोपाल, माई सांवरे रंग रांची, मैं गिरधर के घर जाउॅ, माई री महा लिया गोविंदा मोल, ये मत बरजा माई री।

- **सहायक ग्रन्थ :**

10. भक्ति आन्दोलन और सूर का काव्य : मैनेजर पाण्डेय
11. लोकवादी तुलसीदास : विष्वनाथ त्रिपाठी
12. तुलसी के हिय हेरि : विष्णुकान्त शास्त्री
13. लोक जागरण और हिन्ही साहित्य : रामविलास शर्मा
14. भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य : षिवकुमार मिश्र
15. मध्यकालीन बोध और साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी
16. तुलसी काव्य–मीमांसा ' : डा. उदयभानु सिंह
17. Medival India : The study of Civilization : इरफान हबीब
18. मध्यकालीन भारत का इतिहास : सतीष चंद्रा

- **सहायक ग्रन्थ :**

11. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी
12. आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका : डा. राममूर्ति त्रिपाठी
13. पृथ्वीराज रासों : नामवर सिंह
14. जायसी : विजयदेव नारायण साही
15. संत काव्य : परषुराम चतुर्वेदी
16. दूसरी परम्परा की खोज : नामवर सिंह
17. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी
18. रहस्यवाद : राममूर्ति त्रिपाठी
19. अकथ कहानी प्रेम की : पुरुषोत्तम अग्रवाल
20. मसि कागद् छुयौ नहिं : देवप्रकाष मिश्र

स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 302
जनसंचार माध्यम

प्रथम इकाई

जनसंचार के तत्व : तकनीक का विकास, जनसंचार की प्रमुख अवधारणाएँ : एडोर्ना, मैक्लूहन, रेमंड विलियम्स, बोर्दियू. जौन फिस्के, सारा मिल्स.

भारत में संचार माध्यमों का विकास : प्रिंट, रेडियों, टी.वी., इंटरनेट

द्वितीय इकाई

भूमंडलीकरण और व्यावसायिकता : साइबर स्पेस और जनंसचार

समाचार लेखन : विविध रूप, फीचर, अग्रलेख, साक्षात्कार, कॉलम लेखन, व्यावसायिक सामग्री लेखन, विज्ञापन लेखन**,** कहानी, पटकथा, माध्यम समीक्षा

तृतीय इकाई

मीडिया अध्ययन की प्रविधियॉ : संरचनावादी, उत्तर संरचनावादी प्रविधि, चिह्नषास्त्रीय प्रविधि

जनसंचार आर्थिकी : प्रिंट की आर्थिकी, प्रसारण संख्या

चतुर्थ इकाई

माध्यमों के स्वामित्व का रूप, क्रॉस ऑनरषिप कन्वर्जेंस

एफ. डी. आई का प्रवेष

विज्ञापन और जनसंपर्क

प्रसारण प्रक्रिया : मार्केटिंग विभाग के प्रकार्य

- **सहायक ग्रन्थ** :

8. हिन्दी पत्रकारिता : कृष्णबिहारी मिश्र
9. संस्कृति विकास और संचार क्रांति : पी.सी. जोषी
10. संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र : रेमण्ड विलियम्स
11. भारतीय समाचार पत्रों का इतिहास : जेफ्री रोबिन्स
12. सक्षात्कार : सिद्धांत और व्यवहार : रामषरण जोषी
13. पटकथा लेखन : मनोहर श्याम जोषी
14. पटकथा लेखन : मन्नू भंडारी

स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 303
भारतीय काव्यषास्त्र

प्रथम इकाई

संस्कृत काव्यषास्त्र की परम्परा एवं भरत का नाट्यषास्त्र : साहित्य चिंतन का वैचारिक परिप्रेक्ष्य।

काव्य–लक्षण: (भामह ,मम्मट,विश्वनाथ,जगन्नाथ)

काव्य–प्रयोजन, काव्य हेतु, काव्य–गुण एवं काव्य–दोष

शब्द शक्ति : अभिधा, लक्षणा, व्यंजना

द्वितीय इकाई

भरतमुनि का रस – सिद्धांत एवं व्याख्याकर।

साधारणीकरण : सहृदय की अवधारणा, सम्प्रेषण एवं रस की अवस्थिति व निर्धारण की समस्या।

तृतीय इकाई

अलंकार सिद्धांत : अंलकार का महत्व, प्रमुख आचार्यों के मत।

प्रमुख अलंकार : यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा,रूपक, उत्प्रेक्षा,संदेह, भ्रांतिमान, अतिशयोक्ति, अन्योक्ति, समासोक्ति, अत्युक्ति, विशेषोक्ति, दृष्टांत, उदाहरण,प्रतिवस्तूपमा, निदर्शना, अर्थान्तरन्यास, विभावना,असंगति तथा विरोधाभास

ध्वनि सिद्धांत : दार्षनिक आधार, आधुनिक स्वरूप।

चतुर्थ इकाई

रीति, वक्रोक्ति एवं औचित्य सिद्धांत का साहित्यिक महत्व।

- **सहायक ग्रन्थ :**

7. संस्कृत काव्यषास्त्र : बलदेव उपाध्याय
8. भारतीय एवं पाष्चात्य काव्यषास्त्र : गणपति चंद्र गुप्त
9. काव्यषास्त्र : भगीरथ मिश्र
10. रस–मीमांसा : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
11. रस–सिद्धांत : डा. नगेंद्र
12. समीक्षा सिद्धांत : राम अवध द्विवेदी

स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 304
आधुनिक भारतीय साहित्य

प्रथम इकाई

भारतीयता की अवधारणा : इतिहास एवं परम्परा, बहुभाषिकता एवं बहु सांस्कृतिकता।
राष्ट्रवाद का उदय और भारतीय साहित्य।

द्वितीय इकाई

स्वाधीनता संग्राम में भारतीय साहित्य की भूमिका।
अन्य भारतीय भाषाओं एवं हिन्दी का अन्तर्सम्बन्ध।

पाठः

तृतीय इकाई

संस्कार : यू. आर. अनंतमूर्ति
माटी मटाल : गोपीनाथ मोहंती
आग का दरिया : कुर्रुतुल एन. हैदर
गोरा : रवीन्द्रनाथ

चतुर्थ इकाई

अक्करमाषी : शरण कुमार लिम्बाले
तुगलक : गिरीष कर्नाड
रवीन्द्रनाथ की कविताएँ (चयनित) : (संपादन एवं अनुवाद : हजारी प्रसाद द्विवेदी) निर्झर का स्वप्न भंग, प्राण, अभिसार, मुक्ति, त्राण, भारत तीर्थ, बन्दी, अपमानित, धूल मंदिर.

- **सहायक ग्रन्थ :**

7. संस्कृति के चार अध्याय : रामधारी सिंह दिनकर
8. भारतीय राष्ट्र के उदय की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : ए आर देसाई
9. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास : डा. नगेंद्र
10. राष्ट्रवाद : रवीन्द्रनाथ टैगोर
11. भारतीय चिंतन परम्परा : के. दामोदरन
12. समकालीन भारतीय साहित्य पत्रिका (साहित्य अकादमी की फाइलें)

स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या:401

प्रथम इकाई

रीतिकाव्य के मूल स्रोत

रीतिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक पृष्ठभूमि
दरबारी संस्कृति और रीति–काव्य एवं लोक जीवन
लक्षण–ग्रन्थ परम्परा, अधिकार–भेद, अलंकार–निरूपण, बहुज्ञता एवं पाण्डित्य प्रदर्षन

द्वितीय इकाई

रीतिकालीन भक्ति काव्य

रीतिकाव्य की विविध धाराएँ एवं रचनाकार – केशव, मतिराम, भूषण, बिहारी, घनानन्द,देव, पद्माकर

पाठः

तृतीय इकाई

केषवदास : रामचंद्रिका (संपादन :लाला भगवानदीन)
ग्यारवॉ प्रकाष (1–30)
बारहवॉ प्रकाष (1–30)
आचार्यत्व, काव्य दृष्टि और संवाद योजना

बिहारी : संपादक : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
दोहा संख्या–1,2,3,4,5,6,9,11,13,18,19,20,26,27,30,31,32,
सौंदर्य भावना, बहुज्ञता, काव्यकला

चतुर्थ इकाई

घनानंद :संपादक : विष्वनाथ प्रसाद मिश्र
पद –1,2,3,4,5,6,7,8,10,11,12,13,14,15,16,17,20,26,28,
स्वच्छंद प्रेम योजना, प्रेम व्यंजना,काव्य दृष्टि

जगन्नाथ दास रत्नाकर : उद्धव षतक
मंगलाचरण, 1,2,3,20,26,28,31,34,35,37,40,45,46,67,
भूषण : शिवराज भूषण

युगबोध , अंतर्वस्तु, काव्यकला

सहायक ग्रंथ :

1. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ. नगेंद्र

2. घनानंद का काव्य : रामदेव षुक्ल
3. बिहारी–रत्नाकर : जगन्नाथ दास 'रत्नाकर'
4. केषव का काव्य : विजयपाल सिंह
5. बिहारी का नया मूल्यांकन : बच्चन सिंह
6. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र षुक्ल

स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर
पाठयक्रम संख्या :402

प्रथम इकाई

पाष्चात्य साहित्य चिंतन की परम्परा ,काव्य एवं कला संबंधी पाष्चात्य दृष्टिकोण,
पाष्चात्य साहित्य चिंतन पर विविध अनुषासनों का प्रभाव।

द्वितीय इकाई

प्लेटो :अनुकरण और आदर्ष राज्य की परिकल्पना।
अरस्तू : अनुकरण ,विरेचन और त्रासदी का सिद्धांत।
लौंजाइनस :काव्य में उदात की अवधारणा

तृतीय इकाई

षास्त्रीयतावाद

वर्ड्सवर्थ : स्वच्छंदता एवं वर्ड्सवर्थ की काव्य तथा काव्य–भाषा संबंधी अवधारणा
कॉलरिज : काव्य–भाषा ,कल्पना,रम्य कल्पना
मैथ्यू अर्नाल्ड की साहित्यिक मान्यताएँ
टी.एसःइलियटःनिर्वैयक्तिकता,परम्परा एवं वैयक्तिक प्रज्ञा,वस्तुनिष्ठ सह –सम्बंध

चतुर्थ इकाई

आई.ए.रिचर्डस :मूल्य सिद्धांत ,सम्प्रेषण सिद्धांत क्रोंचे का **अभिव्यंजनावाद**

नई समीक्षा ,मार्क्सवाद ,नव –मार्क्सवाद ,रूपवाद अस्तित्ववाद **मिथक, फैंटेसी ,कल्पना, प्रतीक, बिम्ब**

समकालीन आलोचना की कतिपय अवधारणाएं - विडम्बना, अजनबीपन,विसंगति, अंतर्विरोध, विखंडन

- **सहायक ग्रंथ**

7. पाष्चात्य काव्यषास्त्र : देवेंद्रनाथ षर्मा
8. भारतीय एवं पाष्चात्य काव्यषास्त्र : गणपति चंद्र गुप्त
9. पाष्चात्य साहित्य चिंतन : निर्मला जैन
10. हिन्दी आलोचना के बीज षब्द : बच्चन सिंह
11. यथार्थवाद : षिवकुमार मिश्र
12. भारतीय एवं पाष्चात्य साहित्य सिद्धांत : रामचंद्र तिवारी

स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 403

प्रथम इकाई

हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास

शुक्लपूर्व आलोचनाः भारतेंदु हरिष्चंद्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्र बंधु, पद्मसिंह शर्मा

द्वितीय इकाई

आचार्य रामचंद्र शुक्ल : रस दृष्टि तथा लोकमंगल की अवधारणा

नंददुलारे बाजपेयी : सौष्ठववादी आलोचना

शांतिप्रिय द्विवेदी

हजारी प्रसाद द्विवेदी, विष्वनाथ प्रसाद मिश्र

तृतीय इकाई

नलिन विलोचन शर्मा, नगेन्द्र

रामविलास शर्मा : मार्क्सवादी आलोचना

नामवर सिंह

मलयज

चतुर्थ इकाई

रचनाकार आलोचकः प्रेमचंद, निराला, प्रसाद,पन्त,अज्ञेय, मुक्तिबोध, विजयदेव नारायण साही

- **सहायक ग्रन्थ:**

1. हिन्दी आलोचना : विष्वनाथ त्रिपाठी
2. चिंतामणि : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
3. एक साहित्यिक की डायरी : मुक्तिबोध
4. रचना और आलोचना : देवीषंकर अवस्थी
5. आलोचना और आलोचना : देंवीषंकर अवस्थी
6. इतिहास आरैर आलोचना : नामवर सिंह
7. हिन्दी आलोचना : बीसवीं शताब्दी : नंददुलारे बाजपेयी
8. नया साहित्य : नये प्रष्न : नंददुलारे बाजपेयी
9. रामचंद्र शुक्ल : मलयज
10. वाद–विवाद–संवाद : नामवर सिंह
11. कविता के नए प्रतिमान : नामवर सिंह
12. आलोचना की सामाजिकता : मैनेजर पाण्डेय
13. छठवॉ–दषक : विजयदेव नारायण साही
14. हिन्दी साहित्य के अस्सी बरस : षिवदान सिंह चौहान

स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर (404)

- चतुर्थ सेमेस्टर के अन्तर्गत चतुर्थ प्रष्न पत्र (कोड – 404) में विद्यार्थी किसी एक विकल्प का चयन करेगा।

पाठ्यक्रम संख्याः 404.1
वैकल्पिक प्रष्नपत्र–(रंगमंच एवं लोक–साहित्य)

प्रथम इकाई

लोक साहित्य की अवधारणा, लोक साहित्य का जीवन-दर्षन, लोक की नृतत्वषास्त्रीय, लोक मनोवैज्ञानिक एवं समाजषास्त्रीय व्याख्या.

लोकभाषा, परिनिष्ठित भाषा, मानक भाषा की प्रकृति, हिन्दी की ग्रामीण शैलियॉ एवं उनका भाषिक वैषिष्ट्य.

द्वितीय इकाई

हिन्दी में लोक साहित्य का इतिहास, मिथक और लोक–साहित्य, लोक साहित्य के विविध रूप : लोकगीत, देवीगीत, जन्म एवं मृत्यु संबंधी गीत, विवाह गीत, ऋतु गीत, श्रम गीत

लोक साहित्य और रंगमंच का सम्बन्ध, लोक नाट्य परम्परा और पारसी रंगमंच

तृतीय इकाई

विविध नाट्यरूप : (क) श्रव्य : लोकगाथा, लोक आख्यान, पंडवानी, आल्हा, चनैनी

ख. दृष्य : रामलीला, रासलीला, नौटंकी, लावनी, प्रहसन, बिदेसिया, नाचा, खयाल, बारहमासा, नात, चारबैत, कव्वाली.

चतुर्थ इकाई

पाठः

बिदेसिया : भिखारी ठाकुर
लोहा सिंह : रामेष्वर सिंह
औरत : सफदर हाषमी
चरनदास चोर : हवीब तनवीर

- आधारभूत संरचना उपलब्ध होने की स्थिति में में प्रस्तुत पाठ्यक्रम के सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक (प्रदर्षन) दोनों माध्यमों में अध्ययन कराया जाएगा.
- **सहायक ग्रन्थ :**

12. लोक साहित्य के प्रतिमान : डा. कुंदन लाल उप्रेती
13. लोक साहित्य की सांस्कृतिक परम्परा : मनोहर शर्मा
14. भारतीय लोक साहित्य : श्याम परमार
15. लोक –साहित्य की भूमिका : धीरेंद्र वर्मा
16. लोक–साहित्य विज्ञान : डा. सत्येंद्र

17. लोक का आलोक : सं.–पीयूष दहिया
18. परम्पराषील लोक नाट्य : जगदीष चंद्र माथुर
19. Tradition of Indian Folk-dance : कपिला वात्स्यायन
20. Folk-culture in India : एस.पी. पाण्डे, अवधेष कुमार सिंह
21. Theory and history of folk-lore : ब्लादिमिर प्रोष
22. Mirrors of Indian culture : कृष्णमूर्ति

स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 404.2
वैकल्पिक प्रष्नपत्र (समकालीन साहित्यिक विमर्ष)

प्रथम इकाई

पूंजीवाद का उदयः राजनीति, संस्कृति एवं धर्म का स्वरूप, नवजागरण और आधुनिकता, लोकतंत्र की अवधारणाः स्वतत्रता, समानता और बंधुत्व
आधुनिकताः यूरोपीय एवं भारतीय परिप्रेक्ष्य
मार्क्सवाद : बैवेल ,फायरबाख ,बाख्तीन ,लेनिन ,स्टालिन ,ग्राम्षी चेर्नेवस्की

द्वितीय इकाई

नवमार्क्सवाद :फ्रैंकफर्ट स्कूल (लुकाच ,ग्राम्षी ,एडोर्नो,अल्थूसर ,हैबरमास)
यथार्थवाद एवं जादुई यथार्थवाद
साहित्य का समाजषास्त्र :तेन ,वाल्टर वेंजामिन ,मैक्सवेबर

तृतीय इकाई

रूपवाद :मास्को स्कूल
संरचनावाद :नडेल ,लेवी स्ट्रॉस सस्यूर ,अल्थूसर ,गोडलियर
उत्तर संरचनावाद : दोरिदा ,फूको
उत्तर आधुनिकता : ज्ञान मीमांसा का स्वरूप, तकनीक परिवर्तन

चतुर्थ इकाई

महावृत्तांत का प्रष्न, भूमण्डलीकरण, बहुसंस्कृति सूचना क्रांति,
अस्मिता विमर्ष :स्त्री, दलित एवं आदिवासी, प्राच्यवाद

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी आलोचना के बीज षब्द : बच्चन सिंह
2. साहित्य के समाजषास्त्र की शूमिका : मैनेजर पाण्डेय
3. साहित्य का समाजषास्त्र : बच्चन सिंह
4. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पांडेय
5. संरचनावाद ,उत्तर संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यषास्त्र : गोपीचंद नारंग
6. उत्तर आधुनिकता :बहुआयामी संदर्भ : पाण्डेय षषिभुषण षीतांषु
7. दलित साहित्य का सौंदर्यषास्त्र : ओमप्रकाष वाल्मीकि
8. स्त्री उपेक्षिता : सीमोन द बोउवा (अनु:प्रभा खेतान)
9. आधुनिकता, उत्तर–आधुनिकता एवं नव–समाजषास्त्रीय सिद्धान्त : एस.एल. दोषी

स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 404.3
वैकल्पिक प्रष्नपत्र (अस्मिता, साहित्य और संस्कृति)

प्रथम इकाई

भारतीय अवधारणाएँ : धर्म और संस्कृति, जाति और अस्मिता
प्राच्यवादी दृष्टि एवं उत्तर औपनिवेषिक दृष्टि
अस्मिता की अवधारणाएँ और सिद्धांत
स्मृति, इतिहास, सत्ता, धर्म और अस्मिता
अस्मिता और राष्ट्र

द्वितीय इकाई

भूमंडलीकरण और मीडिया के दौर में संस्कृति एवं अस्मिता के प्रष्न
उपभोक्ता संस्कृति के रूप और अवधारणा
व्यक्ति अस्मिता और सामूहिक अस्मिता
हाषिए की अस्मिता
अल्पसंख्यक अस्मिता

तृतीय इकाई

जेंडर की अवधारणा, वर्चस्व और अस्वीकार के मुद्दे
विमर्ष का निर्माण
जेंडर, भाषा और साहित्य

चतुर्थ इकाई

अम्बेडकर और उत्तर अम्बेडकर विचार तथा दलित अस्मिता के प्रष्न
संस्कृति की विकास–प्रक्रिया : दलित एवं स्त्री अस्मिता

- **सहायक ग्रन्थ :**

13. संस्कृति के चार अध्याय : रामधारी सिंह दिनकर
14. स्त्री उपेक्षिता : सीमोन द बोउवा
15. दलित साहित्य का सौंदर्यषास्त्र : ओमप्रकाष वाल्मीक
16. भूमंडलीकरण के दौर में : अभय कुमार वाल्मीक
17. भारतीय चिंतन परम्परा : के. दामोदरन
18. Post Colonialism : लीला गांधी
19. संस्कृति उद्योग : थियोडोर एडोर्नो
20. अपना कमरा : वर्जीनिया वुल्फ
21. श्रृंखला की कड़ियॉ : महादेवी वर्मा
22. सीमंतनी उपदेष : अज्ञात हिन्दू महिला (सं.–धर्मवीर)
23. Culture and Society : रैमण्ड विलियम्स
24. स्त्री पुरूष तुलना : तारा बाई षिन्दे

हिन्दी विभाग ,गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केन्द्रीय -विश्वविद्यालय)बिलासपुर ,छत्तीसगढ़

स्नातकोत्तर चतुर्थ सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : **404.4**

प्राचीन काव्य

प्रथम ईकाई

अपभ्रंश से हिन्दी का उद्भव और विकास

अपभ्रंश और हिन्दी का साहित्यिक संबंध

द्वितीय ईकाई

पाठ :

कवि : सरहपा,काण्हपा,देवसेन,जोइंदु,रामसिंह,अब्दुर्रहमान,सोमप्रभ,प्रबंध चिंतामणि हेमचन्द्र (संपादित सम्पूर्ण पाठ)

संदर्भ पुस्तक : (हिन्दी के विकास मे अपभ्रंश का योग : नामवर सिंह)

तृतीय ईकाई

अमीर खुसरो - (अमीर खुसरो : व्यक्तित्व और कृतित्व - परमानंद पांचाल)

हिन्दी गज़ल - ग

कव्वाली - घ (1) (2)

गीत - ङ (4) (13)

दोहे - च (7 दोहे)

चतुर्थ ईकाई

विद्यापति - (विद्यापति की पदावली : सं. - आचार्य श्री रामलोचन शरण)

संकलयिता : रामवृक्ष बेनीपुरी, पुस्तक भंडार, पटना

वंदना - 1

राधा की वंदना - 2 (देख देख राधा..... आहनिसि कोर अगोरी)

नख-शिख - 18, 20

प्रेम प्रसंग - श्रीकृष्ण का प्रेम - 33,34,35

राधा का प्रेम - 36,37,38

- सहायक ग्रन्थ :

अमीर खुसरो : परमानंद पांचाल
विद्यापति : षिवप्रसाद सिंह
हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य की भूमिका : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी साहित्य का आदिकाल : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
नाथ संप्रदाय : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिन्दी के विकास में अपभ्रंष का योग : डा. नामवर सिंह
आदिकालीन साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : राममूर्ति त्रिपाठी

हिन्दी विभाग ,गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (केन्द्रीय -विश्वविद्यालय)बिलासपुर ,छत्तीसगढ़

पाठ्यक्रम प्रस्तावना

प्री–पीएचडी कोर्स वर्क

हिन्दी साहित्य के विविध क्षेत्रों एवं अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य के तुलनात्मक अध्ययन के साथ–साथ शोध के नवीन तथ्यों व प्रविधियों से विद्यार्थियों को परिचित कराने के उद्देष्य से विष्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देषों के अनुरूप प्री–पीएचडी कोर्स वर्क का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है प्रस्तुत पाठ्यक्रम के अन्तर्गत शोध की अधुनातन तकनीकी प्रविधियों एवं विष्लेषण के नए मानदंडो को अपनाते हुए पाठ्यक्रम का स्वरूप निर्मित किया गया है, जिससे शोधार्थियों को शोध संबंधी आधारभूत ज्ञान एवं उचित मार्गदर्षन मिल सके एवं विद्यार्थी अपने शोध में नवीन तकनीकों एवं प्रविधियों का लाभ उठा सकें।

अंक योजना :

विष्वविद्यालय निर्देषों के अनुरूप प्री–पीएचडी कोर्स वर्क की परीक्षा होगी

प्रष्नपत्रः

पाठ्यक्रम क्रेडिट

1001	: अनुसंधान की प्रविधि एवं प्रक्रिया
1002	: इतिहास दर्षन और आधुनिक चिंतन
*1003.1	: वैकल्पिक प्रष्नपत्र (तुलनात्मक भारतीय साहित्य)–भक्ति साहित्य
1003.2	: वैकल्पिक प्रष्नपत्र–(तुलनात्मक भारतीय साहित्य–उपन्यास)
1003.3	: वैकल्पिक प्रष्नपत्र– (अस्मितामूलक साहित्य)
1004	: शोध आलेख/सेमिनार

***पाठ्यक्रम 1003 के अन्तर्गत विद्यार्थी किसी एक विकल्प का चयन करेगा।**

प्री–पीएचडी कोर्स वर्क
पाठ्यक्रम क्रेडिट : 1001
अनुसंधान की प्रविधि एवं प्रक्रिया

प्रथम इकाई

शोध : व्युत्पत्ति और अर्थ, आलोचना, अनुसंधान, अन्वेषण व शोध का अन्तर
शोध का प्रयोजन, शोध के मूलतत्व, शोध और सर्जनात्मकता

शोध के प्रकार : साहित्यिक शोध, पाठ संबंधी शोध, वैज्ञानिक शोध, तुलनात्मक शोध, ऐतिहासिक शोध

शोध की प्रक्रिया : विषय–चयन, विषय की रूपरेखा, सामग्री संकलन, तथ्य संकलन

शोध का व्यावहारिक पक्ष : अध्ययन क्षेत्र की सीमा, शोध प्रस्ताव, इन्डेक्स कार्ड प्रणाली, आधारभूत सामग्री और संदर्भ ग्रंथ सूची।
सामग्री संकलन की प्रक्रिया

द्वितीय इकाई

पाठानुसंधान : आषय, स्वरूप और सीमा, पाठ निर्धारण एवं प्रक्रिया
सामग्री संकलन के स्त्रोत : खोज, रिपोर्ट, कैटलॉग्स, पुस्तकें, संस्थान.
पाठानुसंधान और पाठालोचन में अन्तर, पाठालोचन के मुख्य सिद्धांत

तृतीय इकाई

भाषानुसंधान : व्याकरण संबंधी अनुसंधान एवं शैली वैज्ञानिक अनुसंधान
लोकभाषा एवं लोक–साहित्य संबंधी अनुसंधान,

चतुर्थ इकाई

तुलनात्मक अनुसंधान : अंतःभाषा–अंतर्भाषा

तुलनात्मक साहित्य के विभिन्न सिद्धांत : फ्रांसीसी, अमेरिकी और जर्मन स्कूल

भारतीय संदर्भ में तुलनात्मक साहित्य : अध्ययन के क्षेत्र और संभावनाएँ तुलनात्मक साहित्य में अनुवाद की भूमिका

साहित्य अनुसंधान में ऐतिहासिक एवं सामजषास्त्रीय प्रविधि का प्रयोग

हिन्दी साहित्य में शोध का इतिहास।

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. शोध सिद्धांत : डा. नगेंद्र
2. हिन्दी अनुसंधान : विजयपाल सिंह
3. शोध प्रविधि : डा. विनय मोहन शर्मा
4. अनुसंधान प्रविधि : एस. एन. गणेषन
5. अनुसंधान का स्वरूप : डा. सावित्री सिन्हा
6. पाठालोचन : मिथिलेष कांति, विमलेष कांति
7. पाठानुसंधान : डा. सियाराम तिवारी
8. तुलनात्मक साहित्य की भूमिका : इन्द्रनाथ चौधरी

प्री–पीएचडी कोर्सवर्क
पाठ्यक्रम क्रेडिट : 1002
इतिहास दर्षन और आधुनिक चिंतन

इकाई प्रथम

इतिहास दृष्टि और साहित्येतिहास लेखन पद्धति।
इतिहास दर्षन और साहित्यिक इतिहास।
साहित्येतिहास के प्रमुख सिद्धांत : विधेयवाद, मार्क्सवाद और संरचनावाद
हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की समस्याएँ और विभिन्न इतिहास–दृष्टियॉ।

द्वितीय इकाई

काल–विभाजन का आधार, साहित्यिक प्रवृत्तियों का अंतःसंबंध।
इतिहास और आलोचना, नव्य इतिहासवाद, साहित्येतिहास का नारीवादी परिप्रेक्ष्य।
पुनर्जागरण, पुनरूत्थान और हिन्दी नवजागरण
आधुनिक बोध और औद्योगिक संस्कृति, साहित्य का समाजषास्त्र*

तृतीय इकाई

साम्रज्यवाद और उपनिवेषवाद, मार्क्सवाद एवं नवमार्क्सवाद, मनोविष्लेषणवाद : फ्रायड, एडलर, युंग

चतुर्थ इकाई

गांधीवाद, अस्तित्ववाद, रूपवाद, संरचनावाद, उत्तर–संरचनावाद एवं उत्तर–आधुनिकता, प्राच्यवाद, राष्ट्रवाद, नवउपनिवेषवाद, भूमण्डलीकरण।
दलित एवं स्त्री–अस्मिता
(*इपालित अडोल्फ तेन, लियो लोवेंठल, रेमण्ड विलियम्स)
लोकप्रिय साहित्य का समाजषास्त्र एवं जनसंचार के साधन।

- **सहायक ग्रन्थः**

1. साहित्य के समाजषास्त्र की भूमिका : मैनेजर पाण्डेय
2. साहित्य का समाजषास्त्रीय चिन्तन : निर्मला जैन
3. अस्तिवाद और मानववाद : ज्यां पाल सार्त्र
4. मार्क्सवादी साहित्य चिंतन : षिव कुमार मिश्र
5. वैज्ञानिक भौतिकवाद : राहुल सांकृत्यायन
6. वित्तीय पूॅजी और उत्तर आधुनिकता : राजेष्वर सक्सेना
7. आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता और नव–समाजषास्त्रीय सिद्धांत : एस.एल. दोसी
8. मार्क्सवादी सौंदर्यषास्त्र और हिन्दी कथा–साहित्य : कुंवरपाल सिंह
9. स्त्री उपेक्षिता : सिमोन द बोउवा
10. भारतीय समाज एवं विचारधाराएँ : डी.आर. जाटव
11. हिन्दी सहित्य का इतिहास दर्षन : नलिन विलोचन शर्मा

प्री–पीएचडी कोर्स वर्क
पाठ्यक्रम क्रेडिट – 1003.1
वैकल्पिक प्रश्नपत्र (तुलनात्मक भारतीय साहित्य) – भक्ति साहित्य

प्रथम इकाई

भक्ति का स्वरूप–भगवद्गीता का भक्तियोग, शांडिल्य एवं नारद के भक्ति सूत्र, भागवत में भक्ति का स्वरूप

भक्ति आन्दोलन के उदय की ऐतिहासिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक एवं दार्षनिक पृष्ठभूमि

भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप

भक्ति द्राविड़ उपजी – के वैचारिक आधार, तमिल के आलवार और नायनार संत

द्वितीय इकाई

रामानुजाचार्य और भक्ति दर्षन, प्रमुख वैष्णव आचार्यों के भक्ति संप्रदाय और दार्षनिक विचार

वीर शैव सम्प्रदाय, महाराष्ट्र के महानुभाव और वारकरी सम्प्रदाय कबीर, नानक और उत्तर भारत में निर्गुण भक्ति की परम्परा

तृतीय इकाई

बंगाल का गौड़ीय वैष्णव सम्प्रदाय एवं प्रमुख कवि

भक्ति आन्दोलन और शंकर देव

भक्ति की गुजराती एवं उड़िया परम्परा

कष्मीरी भक्ति काव्य

चतुर्थ इकाई

भक्ति की ज्ञानमीमांसा, भक्तिकाव्य में रहस्यवाद का सामाजिक पहलू

भक्ति और स्त्री, भक्तिकाव्य में निहित विचारधाराएँ, भक्तिकाव्य में सामाजिक विद्रोह

- **सहायक ग्रन्थः**

1. मध्यकालीन धर्म साधना : हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. हिन्दी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. संत तुकाराम : हरिरामचंद्र दिवेकर
4. उत्तरी भारत की संत परमपरा : परषुराम चतुर्वेदी
5. संत साहित्य के प्रेरणास्त्रोत : परषुराम चतुर्वेदी
6. दूसरी परम्परा की खोज : नामवर सिंह
7. तुकाराम : भालचंद्र नेमाड़े
8. चण्डीदास : सुकार सेन
9. रामदास : विष्वनाथ काषीनाथ राजवाड़े
10. मध्यकालीन भक्ति आंदोलन का एक पहलू : मुक्तिबोध
11. रामकथा : उत्पत्ति और विकास : कामिल बुल्के

प्री.पीएचडी कोर्स वर्क
पाठ्यक्रम क्रेडिट – 1003.2
वैकल्पिक प्रष्नपत्र–(तुलनात्मक भारतीय साहित्य–उपन्यास)

प्रथम इकाई

भारतीय भाषाओं में उपन्यास के उदय की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्राचीन गद्य विधाएँ एवं उपन्यास का सम्बन्ध

भारतीय भाषाओं में प्रकाषित प्रथम उपन्यास

उन्नीसवीं शताब्दी के भारतीय उपन्यासों की प्रमुख प्रवृत्तियॉ – सुधारवादी आख्यान, रम्य आख्यान, अद्भुत कथा, ऐतिहासिक उपन्यास – दास्तान और किस्सा

द्वितीय इकाई

यथार्थवाद का आरम्भ – बंकिमचंद्र चटर्जी और फकीरमोहन सेनापति।

बीसवीं शताब्दी का पूर्वार्द्ध और भारतीय उपन्यास की विषिष्ट पहचान,

स्वाधीनता संग्राम की भूमिका–प्रेमचंद और भारतीय किसान

शरतचंद्र और भारतीय नारी की पीड़ा

तृतीय इकाई

भारतीय उपन्यास में नए यथार्थवाद का उदय, आंचलिक जीवन के उपन्यास

मनोविष्लेषणवादी उपन्यास, उपन्यास और राजनीति, मध्यवर्ग और उपन्यास

देश–विभाजन के उपन्यास, दलित उपन्यास

पाठ :

चतुर्थ इकाई

पद्मा नदी का मांझी	: मानिक बंदोपाध्याय
मछुआरे	: तकषी षिवषंकर पिल्लै
अमृत–सन्तान	: गोपीनाथ मोहंती
गुजरात के नाथ	: कन्हैयालाल माणिकलाल मुषी
संस्कार	: यू.आर. अनंतमूर्ति
कोसला	: भालचंद्र नेमाड़े
आग का दरिया	: कुर्रतुल एन. हैदर
मढ़ी का दिवा	: गुरदयाल सिंह

- **सहायक ग्रन्थ :**

1. बांग्ला साहित्य का इतिहास : सुकुमार सेन
2. मानिक बंदोपाध्याय : सरोज मोहन मिश्र
3. प्रेमचंद और तकीष के उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन : एम. ए. करीम
4. भारतीय भाषाओं के साहित्य का रूप दर्षन : गौरीषंकर पण्ड्या
5. आज का हिन्दी उपन्यास : इन्द्रनाथ मदान
6. हिन्दी उपन्यास : रामदाष मिश्र
7. हिन्दी उपन्यास : समाजषास्त्रीय अध्ययन : चंडीप्रसाद जोषी

8. हिन्दी उपन्यास : पहचान और परख : नवल किषोर

प्री–पीएचडी कोर्स वर्क

पाठ्यक्रम क्रेडिट* 1003.3

वैकल्पिक प्रष्नपत्र– (अस्मितामूलक साहित्य)

प्रथम इकाई

भारत की सामाजिक व्यवस्था का प्राचीन स्वरूप और दलित
दलित चेतना : आषय एवं वैषिष्ट्य, ऐतिहासिक परिचय
दलित संमस्या : कारण और समाधन–वैदिक, उत्तरवैदिक सामाजिक–सांस्कृतिक आन्दोलन और दलित चेतना

द्वितीय इकाई

भारतीय भाषाओं के दलित साहित्यकार
हिन्दी साहित्य में दलित जीवन और दलित चेतना

तृतीय इकाई

प्राचीन भारतीय सामाजिक व्यवस्था और स्त्री
स्त्री–आंदोलन का ऐतिहासिक अध्ययन, धर्म और स्त्री
स्त्री आंदोलन का भारतीय स्वरूप, पष्चिम का नारीवादी आंदोलन

चतुर्थ इकाई

भारतीय नारीवादी आंदोलन पर पष्चिम का प्रभाव
नारीवाद के पाष्चात्य एवं भारतीय सिद्धान्तकार
हिन्दी में स्त्रीवादी लेखन के विविध स्वर

- **सहायक गन्थ :**

1. स्त्री उपेक्षिता : सिमोन द बोउवा
2. आधुनिकता के आईने में दलित : अभय कुमार दूबे
3. उपनिवेष में स्त्री : प्रभा खेतान
4. स्त्री पराधीनता : जॉन स्टुअर्ट मिल
5. दलित साहित्य की समस्याएॅ : तेज सिंह
6. परिधि पर स्त्री : मृणाल पाण्डे
7. स्त्रीत्व का मानचित्र : अनामिका
8. बधिया स्त्री : जर्मन ग्रियर
9. दलित साहित्य का सौंदर्यषास्त्र : ओमप्रकाष वाल्मीक

पाठ्यक्रम प्रस्तावना : (आधार पाठ्यक्रम)
एकीकृत पंचवर्षीय बी.ए./बी.एस.सी./बी.कॉम. (हिन्दी भाषा)

प्रस्तावित पाठ्यक्रम का उद्देष्य स्नातक स्तर (प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर) के विविध अनुषासनों के सभी विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा का आधारभूत ज्ञान प्रदान करना है, जिससे विद्यार्थियों का भाषा ज्ञान, वतैनी एवं लेखन–कौषल विकसित किया जा सके।

अंक–योजना : पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 60

आंतरिक मूल्यांकन : 40

पाठ्यक्रम – प्रथम सेमेस्टर

बी.ए./बी.एस.सी/बी.कॉम (आधार पाठ्यक्रम)

हिन्दी

भाषा खण्ड

प्रथम इकाई

देवनागरी लिपि – परिचय, मानक स्वरूप व विषेषताएँ
हिन्दी में पल्लवन, संक्षेपण एवं पत्राचार
मुहावरे, लोकोक्तियॉ
कम्प्यूटर में हिन्दी का अनुप्रयोग : प्रारंभिक परिचय

द्वितीय इकाई

शब्द–षुद्धि, वाक्य–षुद्धि, पर्यायवाची, विलोम, अनेकार्थी, समुश्रुत, अनेक शब्दों के लिए एक–षब्द
अनुवाद : प्रकार, विषेषताएँ एवं महत्व
परिभाषिक शब्दावली : निर्माण प्रक्रिया एवं आवष्यकता

साहित्य खण्ड :

तृतीय इकाई

कहानी : नषा : प्रेमचंद
भोलाराम का जीव : हरिषंकर परसाई
पंच परमेष्वर : प्रेमचंद

चतुर्थ इकाई

संस्मरण : बस्तर में बाघ : गुलषेर खॉ षानी

पाठ्यक्रम द्वितीय सेमेस्टर
बी.ए./बी.एस.सी/बी.कॉम (आधार पाठ्यक्रम)
हिन्दी

प्रथम इकाई

भाषा खण्ड

मीडिया की भाषा : विविध पहलू
कार्यालयी भाषा : विभिन्न प्रकार
वित वाणिज्य की भाषा एवं मषीनी भाषा
अनुवाद : व्यावहारिक स्वरूप (अंग्रेजी से हिन्दी)

साहित्य खण्डः

द्वितीय इकाई–

निबंध सत्य और अहिंसा : महात्मा गॉधी
नारीत्व का अभिषाप : महादेवी वर्मा

तृतीय इकाई–

युवकों का समाज में स्थान : आचार्य नरेंद्रदेव
डा. खूबचंद बघेल : हरि ठाकुर

चतुर्थ इकाई

कविता –

मास्टर : नागार्जुन
समझदारों का गीत : गोरख पाण्डेय
क्रूरता : कुमार अम्बुज
पढ़िए गीता : रघुवीर सहाय